संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक घटती घटना

RNI REG. No.-CHHHIN/2004/15050
Po.Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 21, अंक - 130 बुधवार 12 मार्च 2025 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

महत्वपूर्ण खबर

अरविंद केजरीवाल के खिलाफ एफआईआर लिखने कोर्ट का आदेश

नई दिल्ली,11 मार्च 2025(ए)। आम आदमी पार्टी के मुखिया और पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की मुश्किलें बढ़ गई हैं। दिल्ली की एक अदालत ने केजरीवाल के खिलाफ केस दर्ज करने का आदेश दिया है। सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाए जाने के आरोप में अरविंद केजरीवाल और अन्य के खिलाफ केस दर्ज करने को कहा गया है। कोर्ट ने थाने के एसएचओ को 18 मार्च तक रिपोर्ट पेश करके बताने को कहा है कि आदेश का पालन हो गया है या नहीं। कोर्ट ने दिल्ली पुलिस से 18 मार्च तक रिपोर्ट भी मांगी है। केजरीवाल के खिलाफ यह आदेश ऐसे समय पर आया है जब वह पहले ही कई कानूनी मुश्किलों में घिरे हुए हैं और दिल्ली चुनाव में हार के बाद इन दिनों विपश्यना में जुटे हैं।

नौकरी के बदले जमीन घोटाला मामले में तेज प्रताप यादव को जमानत

नई दिल्ली,11 मार्च 2025(ए)। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने नौकरी के बदले जमीन घोटाले में राजद नेता और लालू प्रसाद यादव के बेटे तेज प्रताप यादव को बड़ी राहत दी है। सोमवार को कोर्ट में पेश होने के बाद तेज प्रताप को 50 हजार रुपये के निजी मुचलके और समान राशि के सिक्योरिटी बॉन्ड पर जमानत मिल गई। उनके साथ ही लालू की बेटी हेमा यादव और अन्य आरोपियों को भी जमानत दी गई।

भारत की जीत के बाद 3 घंटे तक महू में मचा उत्पात

अब बलवा,मारपीट,आगजनी, तोड़फोड़ के 4 के दर्ज,13 गिरफ्तार

महू (इंदौर),11 मार्च 2025(ए)। डॉ. आंबेडकर नगर (महू) में रविवार रात भारत के आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी जीतने के बाद निकले जुलूस के दौरान हुए उपद्रव के कारण तीन घंटे तक अराजक स्थिति बनी रही। पुलिस ने चार प्रकरण दर्ज किए हैं। इसमें बलवा, मारपीट, आगजनी, तोड़फोड़ की धाराओं के तहत करीब 40 नामजद व अन्य पर एफआईआर दर्ज की गई है। 13 लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर अन्य आरोपियों की पहचान की जा रही है। 300 से अधिक पुलिस बल हथियारों के साथ तैनात कर महू को छावनी में तब्दील कर दिया गया है। साथ ही छह ड्रोन के माध्यम से सभी क्षेत्रों में निगरानी की जा रही है। घटना में 13 लोगों के घायल होने की जानकारी है।

रेप मामलों में अधिकतम सजा का प्रावधान होगा लागूः सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली,11 मार्च 2025(ए)। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि यदि कोई अपराध भारतीय दंड संहिता और यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम दोनों के तहत आता है, तो सजा उस कानून के अनुसार दी जाएगी, जिसमें अधिक कठोर दंड का प्रावधान है। अदालत ने एक मामले में आरोपी की उम्रकैद की सजा को बरकरार रखते हुए कहा कि आईपीसी की धारा के तहत यदि कठोर सजा का प्रावधान है, तो वही सजा दी जाएगी, भले ही मामला पॉक्सो ऐक्ट के तहत भी दर्ज हो।

सोना तस्करी मामले में बड़ा खुलासा

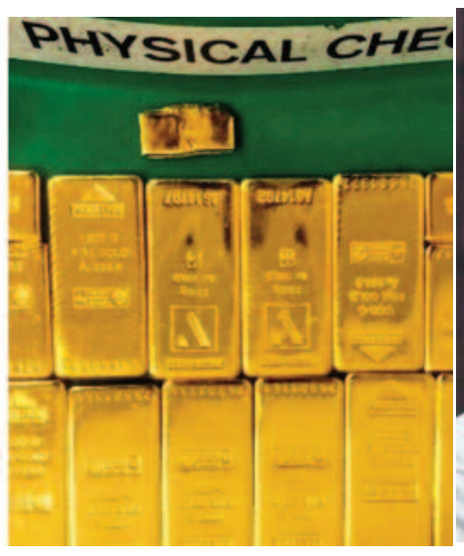

» सोना तस्करी केस का सिद्धारमैया के मंत्रियों से कनेक्शन...

» आरोपों पर डिप्टी सीएम ने दिया जवाब...

बैंगलुरू,11 मार्च 2025(ए)। सोने की तस्करी के मामले में गिरफ्तार कन्नड़ अभिनेत्री हर्षवर्धिनी रान्या उर्फ रान्या राव को सोमवार को आर्थिक अपराधों के लिए एक विशेष अदालत ने 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। इस मामले ने पूरे कर्नाटक की पॉलिटिक्स को गरमा दिया है। आरोपों और प्रत्यारोपों का दौर जारी है। मामले में कौन-कौन शामिल है, लोगों की भूमिका को लेकर कयासबाजी और अटकलें लगाई जा रही हैं।

कोई भी मंत्री इसमें शामिल नहीं : डी के शिवकुमार

डिप्टी सीएम ने यह भी कहा, कोई भी मंत्री इसमें शामिल नहीं है, हमें कुछ भी नहीं पता। यह सब टोटल सियासी गपबाजी है। जांच अधिकारी कानून के अनुसार जांच करेंगे। हमारा इससे कोई लेना-देना नहीं है। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा, केंद्र सरकार जांच कर रही है, उसे ऐसा करने दीजिए।

रान्या राव का मंत्रियों से संपर्क?

जांच की आंच कुछ डी के शिवकुमार ने उन खबरों को खारिज कर दिया जिनमें दावा किया जा रहा था कि दो मंत्रियों का कन्नड़ अभिनेत्री रान्या राव से जुड़े सोना तस्करी मामले से संबंध है। उपमुख्यमंत्री शिवकुमार ने यह भी कहा कि राज्य सरकार का इस मामले से कोई लेना-देना नहीं है क्योंकि केंद्रीय एजेंसियां इसकी जांच कर रही हैं।

सोना तस्करी का क्या है पूरा मामला?

सोना तस्करी मामले में बीते दिनों गिरफ्तार हुईं कन्नड़ एक्टर रान्या राव ने डायरेक्टोरेट ऑफ रेवेन्यू इंटेलिजेंस (डीआरआई) के अधिकारियों पर कई आरोप लगाए हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक उन्होंने कहा अधिकारियों ने उन्हें मानसिक रूप से काफी टॉर्चर किया। कन्नड़ एक्ट्रेस रान्या राव बीते 3 मार्च 2025 को बेंगलुरु एयरपोर्ट पर 14.2 किलोग्राम सोने के साथ पकड़ी गई थी। वहीं अब उनके गोल्ड तस्करी के रैकेट की जांच ने एक दिलचस्प मोड़ ले लिया है। डीआरआई ने खुलासा किया है कि एक्ट्रेस ने दुबई से अवैध रूप से 14.2 करोड़ का सोना लाकर कुल 4.8 करोड़ रुपए के शुल्क से बचने की कोशिश की थी।

क्या-क्या ठोकना है,हम ठीक से ठोक देंगे...

नई दिल्ली,11 मार्च 2025(ए)। संसद के बजट सत्र में नई शिक्षा नीति को लेकर पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी बहस जारी है। मंगलवार को राज्यसभा में नेता विपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के बयान ने सदन में हंगामा खड़ा कर दिया।

खरगे का विवादास्पद बयान और विवाद

शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के बयान की आलोचना करते हुए खरगे ने गुस्से में कहा, क्या-क्या ठोकना है, हम ठीक से ठोक देंगेज सरकार को ठोकेंगे। उपसभापति द्वारा रोके जाने पर उन्होंने तानाशाही का आरोप भी लगाया। उनके इस बयान पर सत्ता पक्ष ने कड़ी आपत्ति जताई।

सत्ता पक्ष की प्रतिक्रिया और माफी

भाजपा नेता और राज्यसभा में नेता सदन जेपी नड्डा ने खरगे के बयान को अस्वीकार्य बताते हुए माफी की मांग की। बाद में खरगे ने कहा, अगर मेरी बात से किसी को ठेस पहुंची है तो मैं माफी मांगता हूं, लेकिन सरकार से माफी नहीं मांगूंगा।

धर्मेंद्र प्रधान के बयान पर विपक्ष का विरोध

सत्र के दौरान शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने डीएमके पर निशाना साधते हुए उसे अलोकतांत्रिक और असभ्य पार्टी कहा। इस पर डीएमके सांसद कनिमोझी ने आपत्ति जताई और कहा कि उनकी पार्टी केंद्र की शर्तों पर नई शिक्षा नीति और तीन भाषा नीति को स्वीकार नहीं करेगी।

खरगे ने भी प्रधान के बयान की आलोचना करते हुए कहा कि सरकार देश को बांटने की राजनीति कर रही है और ऐसे बयान स्वीकार्य नहीं हैं। डीएमके सांसद कनिमोझी ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के खिलाफ संसदीय विशेषाधिकार हनन का नोटिस भी दाखिल किया।

बिजनेस वुमन के सुसाइड केस में डीएसपी कनकलक्ष्मी अरेस्ट

» कपड़े उतरवाए और रिश्वत मांगी

» घोटाले से जुड़ा है मामला

नई दिल्ली,11 मार्च 2025(ए)। महिला उद्योगपति सुसाइड मामले में एसआईटी ने सीआईडी की डीएसपी रेंक की महिला अधिकारी को गिरफ्तार कर लिया है। पिछले साल 22 नवम्बर को एस जीवा नाम की महिला व्यवसायी ने आत्महत्या कर ली थी। महिला पुलिस अधिकारी और सीआईडी में डीएसपी पद पर तैनात कनकलक्ष्मी पर आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप लगा था।

केंद्र ने जम्मू-कश्मीर के दो संगठनों को किया बैन

आतंकी गतिविधियों और भारत विरोधी प्रचार में हैं दोनों शामिल

जम्मू-कश्मीर,11 मार्च 2025 (ए)। केंद्र सरकार ने जम्मू-कश्मीर के दो संगठनों अवामी एक्शन कमेटी और जम्मू-कश्मीर इत्तिहादुल मुस्लिमीन पर प्रतिबंध लगा दिया है। इसके लिए गृह मंत्रालय की ओर से अधिसूचना जारी की गई है। गृह मंत्रालय ने जम्मू-कश्मीर स्थित अवामी एक्शन कमेटी को गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम, 1967 के तहत तत्काल प्रभाव से एक गैरकानूनी संगठन घोषित किया है। केंद्र सरकार ने एएमसी और जम्मू-कश्मीर इत्तिहादुल मुस्लिमीन दोनों संगठन को अगले पांच सालों के लिए प्रतिबंध लगा दिया है। गृह मंत्रालय ने आरोप लगाया कि इसके सदस्य केंद्र शासित प्रदेश में अलगाववाद को बढ़ावा देने के लिए आतंकवादी गतिविधियों और भारत विरोधी प्रचार में शामिल रहे हैं।

पुलिस एनकाउंटर में मारा गया कुख्यात गैंगस्टर अमन साहू

» छत्तीसगढ़,झारखंड से लेकर उड़ीसा तक फैला रखा था आतंक...

रांची,11 मार्च 2025(ए)। झारखंड का कुख्यात गैंगस्टर अमन साहू पुलिस एनकाउंटर में मारा गया। मंगलवार, 11 मार्च को उसे रायपुर जेल से झारखंड पुलिस की रिमांड में रांची लाया जा रहा था। इसी दौरान चैनपुर-रामगढ़ के अन्हारी ढ़ोढ़ा घाटी में अमन साहू ने हवलदार के हाथ से राइफल छीनकर फायरिंग की कोशिश की तभी जवाबी कार्रवाई में उसे मार गिराया गया। हवलदार की जांघ में गोली लगी है।उसका इलाज एमएमसीएच पलामू में चल रहा है.

कौन था गैंगस्टर अमन साहू?

गैंगस्टर अमन साहू मूल रूप से झारखंड के रांची के छोटे से गांव मतबे का रहने वाला था. 12वीं की पढ़ाई पूरी करने के बाद उसने डिप्लोमा किया और फिर एक मोबाइल की दुकान खोली। इसी दौरान उसका अपराधियों के साथ उठना बैठना शुरू हुआ था और देखते ही देखते वो कुख्यात गैंगस्टर बन गया। जानकारी के मुताबिक, साल 2013 में वो पूरी तरह से अपराध की दुनिया में उतर आया था और उसने अपनी गैंग बना ली थी।

अमन साव को ढेर करने वाले इनकाउंटर स्पेशलिस्ट कौन?

झारखंड पुलिस का इनकाउंटर स्पेशलिस्ट प्रमोद कुमार सिंह उर्फ पीके सिंह। 2022 में धनबाद के बैंक मोड़ में अपराधियों ने मुथूट फाइनेंस में डकैती की कोशिश की। इनकाउंटर में अपराधी मारे गए। अकेले दम पर पीके ने अपराधियों का इनकाउंटर किया। अमन साव का इनकाउंटर भी पीके ने किया। पीके वर्तमान में एटीएस में डीएसपी हैं।

इंस्टाग्राम कमेंट को लेकर हुआ विवाद

महिला को कार के बोनट पर 17 किमी घसीटा

सोनीपत,11 मार्च 2025(ए)। हरियाणा के सोनीपत में एक विधवा महिला पूजा के साथ एक दिल दहलाने वाली घटना घटी। जब वह अपने बच्चों को बचाने गई, तो कुछ युवकों ने उसे कार से टक्कर मार दी। इसके बाद वह कार के बोनट पर गिर गई और लगभग 1 किलोमीटर तक उसे घसीटते हुए गाड़ी दौड़ाई गई। जब गाड़ी धीमी हुई, तो महिला ने किसी तरह से कूदकर अपनी जान बचाई। पीड़ित महिला ने पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका आरोप है कि पुलिस न केवल मामले को दबाने की कोशिश कर रही है, बल्कि उन पर केस क्लोज करने और राजीनामा करने का दबाव भी बना रही है। सोनीपत की सेक्टर-15 निवासी पूजा ने पुलिस को दी गई अपनी शिकायत में बताया कि उनके बेटे ऋषभ और रिधम का इंस्टाग्राम पर एक लड़के सात्विक से विवाद हो गया था, जो एक आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर शुरू हुआ था।

भाई की पत्नी को बनाया हवस का शिकार

सूरत,11 मार्च 2025(ए)। गुजरात के सूरत से एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहां एक तांत्रिक ने अनुष्ठान के बहाने अपने चचेरे भाई की पत्नी से दुष्कर्म किया। आरोपी तांत्रिक भरत अपने चचेरे भाई के घर कुछ दिनों के लिए ठहरा था। उसने भाई से कहा कि उसकी किस्मत खुलने वाली है, लेकिन इसके लिए एक विशेष अनुष्ठान करना होगा। भाई इस बात के झांसे में आ गया और तांत्रिक ने इसी अनुष्ठान के नाम पर उसकी पत्नी के साथ दुष्कर्म किया। घटना के बाद आरोपी तांत्रिक फरार हो गया,लेकिन जब उसके गांव में यह खबर फैली, तो गुस्साए लोगों ने उसे पकड़ लिया. उन्होंने न केवल उसकी जमकर पिटाई की,बल्कि उसका सिर भी मुंडवा दिया। इसके बाद ग्रामीणों ने उसे पुलिस के हवाले कर दिया।

संपादकीय

भाषा के झगड़े को तूल

मराठी को महाराष्ट्र और मुंबई की भाषा है,यहां रहने वाले व्यक्ति को इसे सीखना और बोलना चाहिए। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस ने संघ के वरिष्ठ नेता भैयाजी के बयान के बाद उठे विवाद पर कहा।जोशी ने कहा था, मुंबई की एक भाषा नहीं है, मुंबई में कई भाषाएं हैं। अलग-अलग इलाकों की अलग-अलग भाषाएं हैं। उन्होंने यह भी कहा कि मुंबई आने वालों को मराठी सीखने की कोई जरूरत नहीं। इस पर विपक्षी महाअघाड़ी में शामिल राजनीतिक दल इस विवाद में एकजुट हो गए और जोशी के बयान की आलोचना की।हालांकि बाद में जोशी ने बयान से पलटते हुए अपनी टिप्पणी को गलत तरीके से देखे जाने की बात की और मराठी को महाराष्ट्र व मुंबई की भाषा बताया। शिवसेना (उद्धव) के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे ने जोशी पर देशद्रोह का मुकदमा दर्ज किया जाए। देश के संविधान में 22 भारतीय भाषा को मान्यता दी गई है, जबकि आधिकारिक भाषाएं आज भी हिन्दी व अंग्रेजी ही हैं। राजनीति के चलते 2018 में इसमें असमिया व मणिपुरी को भी इसमें शामिल किया गया। विभिन्न राज्यों के लोग अपनी-अपनी भाषाओं को संविधान की अनुसूची में शामिल करने की मांग उठाते रहते हैं। स्थानीय स्तर पर इन भाषाओं का महत्त्व होने के बावजूद आम जनता के लिए कोई बड़ा मुद्दा नहीं है। दक्षिणी राज्यों में भी हिन्दी का जो विरोध होता है, उसके पीछे शुद्ध राजनीतिक कारण हैं। व्यावहारिक स्तर पर जोशी की बात सटीक होने के बावजूद भाषाई विवाद को तूल देने वाले भी अपनी राजनीति चमकाने का काम कर रहे हैं। यह सही है कि मुंबई में मराठी बोलने वालों से गुजराती बोलने वाले भी कम नहीं हैं। दूसरे मुंबई हिन्दी फिल्मों का गढ़ है। जो दुनिया भर में देश की पहचान ही नहीं कायम करते हैं।भाषा के झगड़े को तूल देने की जरूरत तो नहीं है मगर भैयाजी को भी अपना बयान सिर्फ इसीलिए वापस लेना पड़ा क्योंकि इससे मराठी भाषियों की भावनाएं आहत होने की आशंकाएं बढ़ रही थीं। मातृभाषाओं से प्रेम करने वाले भारतीय अपने देश की अखंडता और सहिष्णुता को भाषाई विभेद से बहुत ऊपर आंकते हैं। यही कारण है कि हम इतनी सारी बोलियों व भाषाओं को साथ लेकर चलते रहे हैं।

होली का त्यौहार भारतीयों का विशेष त्यौहार

प्रोफेसर शाम लाल कौशल
रोहतक-124001(हरियाणा)

होली भारतवासियों का एक बेहतरीन रंगों का त्यौहार है। इस दिन सभी जातियां, सभी धर्मों तथा सभी क्षेत्र के लोग एक दूसरे पर गुलाल तथा रंग डाल कर हर्ष उल्लास अभिव्यक्त करते हैं। यह त्यौहार फाल्गुन मास की पूर्णिमा वाले दिन मनाया जाता है। हमारे देश के भिन्न भिन्न त्योहारों का संबंध किसी न किसी फसल के काटने से जुड़ा हुआ होता है। होली का त्यौहार भी गेहूं तथा चने की फसल के काटने से शुरू होता है। इस त्यौहार को मनाने में लोगों को इतना आनंद आता है कि इसके कुछ दिन पहले ही एक दूसरे पर गुलाल तथा रंग डालना शुरू कर देते हैं। शिक्षा संस्थानों में विद्यार्थी एक दूसरे पर गुलाल डालते हैं, पानी डालते हैं और कई बार तो पटाखे भी चलाते हैं। होली वाले दिन नौजवान उत्साही लड़कों की टोलियां की टोलियां शोर शराबा करती हुई बाजारों,गलियों तथा सड़कों से गुजराती है और जो कोई भी रास्ते में मिल जाए उसके ऊपर गुलाल तथा पिचकारी से रंग डालकर हर्षो उल्लास मनाती हैं। कुछ शरारती लोग होली वाले दिन एक दूसरे पर कीचड़ तथा गंदा पानी, रंगों में हानिकारक केमिकल मिलाकर इस त्यौहार की गरिमा को कम कर देते हैं। कई बार ऐसा भी होता है कि कुछ लोग रंग नहीं डलवाना चाहते, जिद्दी लड़के उस पर रंग और पानी डालकर उसको अपमानित करते हैं और हो हल्ला करते हैं, यह अच्छी बात नहीं है। होली मनाने वालों को बुजुर्गों तथा स्त्रियों पर रंग और पानी नहीं डालना चाहिए। आखिरकार मर्यादा भी तो कोई चीज होती है।

इस त्यौहार की शुरुआत राक्षसों के राजा हिर्नाकश्यप की बहन होलिका के आग में जल जाने से संबंधित है। हिर्नाकश्यप राक्षसों का राजा था और उसका विष्णु भगवान के साथ वैर था। लेकिन उसका पुत्र, प्रहलाद विष्णु का भक्त था। प्रहलाद के पिता को यह बात पसंद नहीं थी। उसने उसको रोकने के लिए उस पर बहुत जुल्म किये और आखिरकार अपनी बहन होलिका, जिसे कि यह वरदान मिला हुआ था कि अग्नि उसे जला नहीं सकती,को प्रहलाद को अग्नि में अपनी गोद में लेकर बैठने को कहा। इस बीच प्रहलाद विष्णु भगवान का स्मरण किया और इसका परिणाम यह हुआ कि होलिका तो जल गई परंतु प्रहलाद का कुछ भी नहीं बिगड़ा। बाद में भगवान विष्णु ने नरसिंह अवतार बनकर हिरण्यकश्यप को मार दिया था! कहा जाता है कि होली का त्यौहार होलिका के जलने की खुशी में तभी से मनाया जाता है। असल में होली के त्यौहार का संबंध होलिका के जलने, शिवजी द्वारा कामदेव को भस्म करने, श्री कृष्णा तथा पूतना तथा राजा पृथु तथा राक्षसी ढूंढी से संबंधित है।

होली का त्यौहार बुराई पर अच्छाई की जीत के तौर पर भी मनाया जाता है। इस त्यौहार के मनाने का मकसद बसंत ऋतु के शुभ आगमन के तौर पर भी माना जाता है। इस दिन लोग अपने पुराने गिले शिकवे भूल कर आपस में गले मिलते हैं, एक दूसरे पर गुलाल तथा रंग डालते हैं, नाचते और गाते हैं। कुछ लोग इस दिन खुशी के मारे भांग भी पीते हैं। इस त्यौहार की शुरुआत बुंदेलखंड में झांसी के एरच से शुरू हुई थी जो कभी हिरण कश्यप की राजधानी हुआ करती थी। होली का त्यौहार भारत के अलावा विश्व के कम से कम आठ देशों, जिनमें मॉरीशस, श्रीलंका, इंडोनेशिया, अमेरिका तथा यूरोप शामिल है, में मनाया जाता है। यह त्योहार श्री कृष्णा तथा राधा के द्वारा अपनी सखियों के साथ रंग बिरंगी होली को वृंदावन में मनाने को लेकर भी याद किया जाता है। इस त्यौहार को हिंदुओं के अलावा जैन,बौद्ध आदि धर्मों के लोग भी मनाते हैं। लोग होली के आने से कई दिन पहले ही इसको मनाने की तैयारी शुरू कर देते हैं। वे अलाव के लिए लकड़ियां इकट्ठी करते हैं, गाय के गोबर के उपले बनाकर माला बनाते हैं। गाय के गोबर से होलिका तथा प्रहलाद की मूर्तियां बनाते हैं और उनके गले में गाय के गोबर से बने उपले की माला डालते हैं और शहर के चौराहे पर उसे जलाते हैं।

पंजाब में श्री आनंदपुर साहब में सिख समुदाय के द्वारा होली के बदले में... होला मोहल्ला... मनाया जाता है! जिसमें इस समुदाय द्वारा सिखों की वीरता और बहादुरी को प्रदर्शित करने की कोशिश की जाती है! कहना ना होगा कि सिख धर्म के दसवें गुरु, श्री गुरु गोविंद सिंह ने होला मोहल्ला की परंपरा आनंदपुर साहिब में 1701 में शुरू की थी जो कि आज तक भी जारी है। आनंदपुर साहब में होला मोहल्ला बनाने को लेकर सिख समुदाय के बहुत सारे लोग एकत्रित होते हैं।

राजस्थान के जालौर में पत्थर मार होली खेली जाती है। यह होली मुख्यतः आदिवासी समुदाय के द्वारा मनाई जाती है। हरियाणा में ग्रामीण क्षेत्रों में..कोरड़ेमार होली.. मनाई जाती है। जिसमें पुरुष और स्त्रीयां एक दूसरे के ऊपर रंग और पानी डालते हैं और महिलाएं पुरुषों को चुनरी या कपड़े से बने हुए कोरड़े मारती हैं। ऐसी होली खेलने में दोनों पक्ष आनंद महसूस करते हैं। होली रंगों का त्यौहार है, आपसी गिले शिकवे भूलकर नए सिरे से संबंध स्थापित करने का त्यौहार है। इसे हंसी खुशी मनाना चाहिए।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

होलिकोत्सवःप्रेम,आत्मीयता एवं समरसता का रंग-पर्व

प्रमोद दीक्षित मलय
बांदा, उत्तरप्रदेश

भारत उत्सवों की भूमि है, त्योहारों की पावन धरा है। यह मंगल कार्यों की आधार पीठिका है और पर्वों की पुण्य प्रभा भी।उत्सव जीवंतता के प्रतीक हैं और उल्लास एवं उमंग के संवाहक भी। उत्सव, तीज-त्योहार और पर्वों का सतत आयोजन किसी समाज की सुख-समृद्धि का संकेत हैं और प्रगति एवं विकास का मानक भी। भारत वर्ष में चैत्र नवरात्रि से नव संवत् का आरम्भ होता है और फाल्गुन की पूर्णिमा से चैत्र के पहले पखवारे तक वर्ष के अवसान का समय होता है। वर्ष पर्यंत अनेकानेक उत्सवों का आयोजन और विश्व मंगल की कामना भारतीय सामाजिक एवं सांस्कृतिक व्यवस्था की सुदीर्घ परम्परा का अनिवार्य घटक रहा है। फाल्गुन की पूर्णिमा को होलिका दहन और धुलेंढ़ी को रंग खेलना इस पर्व परम्परा में एक सुखद अनुभूति है। माघ मास की पंचमी से वसंत लोक का द्वार खटखटा सुवासित सौंदर्य की चादर धरती पर बिछा देता है। वसंत प्रेम की, मनुहार की ऋतु है। फागुन में बहती मलय बयार शुष्क मन को भी रससिक्त कर देती है। तभी तो प्रकृति भी उल्लसित हो पुराने पल्लव त्याग नवल रूप धारण कर लेती है। वन-उपवन के नाना वृक्ष पुष्पों और फलों से लद जाते हैं, डालियां विनम्रता से झुक जाती हैं। औषधियां प्राणवान हो उठती हैं। फूलों पर मंडराते भ्रमर दल की गुंजार से लोकजीवन मानो सुमधुर संगीत की धारा में अवगाहन करने लगता है। निर्झर,सरिता एवं सरोवरों का जल निर्मल हो अमियमय हो जाता है। खेतों में फसलें खुशी से नर्तन करती हैं, और उन्हें देख-देख कृषक आह्लादित होते हैं। समाज जीवन में चतुर्दिक नवल सर्जना एवं सहकार के रंग बिखर जाते हैं। कह सकते हैं, रंग पर्व होली सामाजिक समरसता, समता, आत्मीयता और मधुरता का सत्व ग्रहण किए गांव-गांव, नगर-नगर मानो संदेश देती हो कि वाह्य विभेदों से परे होकर हम एकरस, एकरंग और एकात्म हो जायें। यह एक रंग है मानवता का, परस्पर विश्वास और बंधुत्व का और पारस्परिक समझ एवं साझेपन को ।

होली सामाजिक प्रेम-सद्भाव, सौहार्द एवं सहकार का अपनी तरह का अनूठा पर्व है जिसमें धनी-निर्धन, जात-पात एवं भाषा-क्षेत्र के तमाम भेद तिरोहित हो जाते हैं। सभी एक साथ मिलकर फाल्गुन की पूर्णिमा को होलिका दहन करते हैं और अगले दिन धुलेंढ़ी को अबीर-गुलाल उड़ा एक-दूसरे पर रंग डालते हैं, गले मिलते हैं। बुंदेलखंड में होलिका दहन के लिए गाय के गोबर से बल्ले (वृत्ताकार चपटी पट्टी से कटोरे जैसे बनाकर बीच में छेद किया जाता है) बनाये जाते हैं। इनमें एक-एक चंद्रमा और सूरज के बल्ले भी होते हैं। सूखने पर मूंज की सुतली से गूंथ कर सामूहिक होलिका दहन स्थल पर शुभ मुहूर्त के पूर्व सभी अपने बल्लों की माला लेकर एकत्रित होते हैं। एक-एक माला एक-दूसरे से बदल लेते हैं, शेष मालाएं दहन हेतु इकट्ठी की गयी लकड़ी एवं उपलों के ढेर पर समर्पित कर दी जाती हैं। मुहूर्त पर अग्नि प्रज्ज्वलित कर धधकती अग्नि की सभी परिक्रमा करते हैं। नवान्न गेहूं, जौ, चना आदि बांस के अग्रभाग में बांधकर भूनते और प्रसाद ग्रहण करते हैं। बाल्टी या किसी सुरक्षित पात्र में होली की आग घर लाकर घर में सजाई गयी होलिका का दहन करते हैं। घर में माताएं बेसन से परिवार के सभी सदस्यों का उबटन करके होलिका में आरोग्य प्रदान करने की कामना के साथ डाल देती हैं। इस अवसर राई-चोकर मुट्ठी में लेकर सभी के सिर के ऊपर से घुमाकर जलती होलिका में डालते जाते हैं जो चट्ट-चट्ट की आवाज के साथ जलता है। होली अग्नि की आराधना और साधना का पर्व भी है। इस आग को अंगीठी में सुरक्षित कर लेते हैं जो वर्ष पर्यंत चूल्हा जलाने में प्रयोग की जाती है। अंत में मंद आग में एक बड़े लोटा में जल रख देते हैं। सुबह सभी लोग स्नान करते समय लोटे का जल का थोड़ा-थोड़ा प्रयोग करते हैं। सुबह से रंग खेलना आरम्भ हो जाता है। होली के अवसर पर घरों में बेसन-मैदा और खोया से बने पकवान यथा पापड़, मठरी, नमकीन, सेव, खुरमा, खाजा, पूरी, गुझिया, रसगुल्ले आदि बनाये और खिलायें जाते हैं।

होली त्योहार मनाने से सम्बंधित अलग-अलग राज्यों में अलग-अलग कहानियां भी प्रचलित हैं और होली मनाने एवं रंग खेलने के अपने तरीके तथा परम्पराएं भी। किंतु एक कहानी जो सर्वत्र स्वीकृत और लोक जीवन में रची-बसी है, वह दैत्य राजा हिरणयकशिपु और उसके पुत्र प्रहलाद से जुड़ी है। ग्रंथों में उल्लेख मिलता है, हिरण्यकशिपु और हिरणयाक्ष दो भाई थे जो अत्यंत बलशाली थे। एक बार हिरण्याक्ष पृथ्वी को लेकर अंतरिक्ष-सिंधु में छिप गया जिसे भगवान विष्णु के वराह अवतार ने मारकर पृथ्वी को मुक्त किया। दूसरे भाई हिरण्यकशिपु ने सत्ता शक्ति में मदांध हो स्वयं को ईश्वर के रूप में प्रजा द्वारा पूजा-आराधना करने हेतु विवश कर रखा था। यहां तक कि विष्णु भक्त अपने पुत्र बालक प्रहलाद को भगवान विष्णु का पूजन बंद कर स्वयं की पूजा करने का सख्त आदेश दिया। किंतु प्रहलाद द्वारा मना करने से उसे मृत्युदंड दे अपनी बहिन होलिका, जिसे अग्नि में न जलने का वरदान प्राप्त था को प्रहलाद को गोद में लेकर धधकती अग्नि में बैठकर समाप्त करने की जिम्मेदारी दी। दैव योग से होलिका जल गई और प्रहलाद बच गये। पुत्र को स्वयं मारने हेतु उद्यत होने पर स्तम्भ से प्रकट होकर भगवान नृसिंह ने प्रहलाद की प्राण रक्षा की। इस प्रकार अग्नि से प्रहलाद के सकुशल बचने और होलिका के जल जाने के आनंद में प्रजा ने एक-दूसरे पर रंग डाले और खुशियां मनाई। तब से परम्परा में होलिका दहन करके और रंग-गुलाल उड़ाकर खुशी प्रकट की जाने लगी। वैसे देखा जाये तो प्रतीक अर्थ में होलिका कटुता, कलुषता, विषमता,ईर्ष्या-द्वेष एवं अन्याय का प्रतीक है और प्रहलाद आनंद, खुशी एवं उल्लास का। जब कटुता-कलुषता आदि बुराईयों का कूड़ा-कचरा और लकड़ियां जलाई जाती है तभी समाज में समता, प्रेम, मधुरता एवं न्याय का वातावरण तैयार होता है। होली के इस प्रेम, आत्मीयता-मधुरता भरे पावन पर्व पर हम परिवार, समाज एवं राष्ट्र की प्रगति के लिए तमाम बुराईयों, कुरीतियों एवं जड रूढ़ियों का दहन कर मानवीय मूल्यों के पोषक, सह-अस्तित्व का भाव सहेजे और सामूहिकता का राग साधे सतत अग्रसर समाज निर्माण का संकल्प लें, ***यही मंगल कामना करता हूं।***

कविता
होली

घटती-घटना

शुभम सिन्हा
छैलडोंगरी,गरियाबंद
छत्तीसगढ़

आई है रंगों से भरी होली का त्योहार
जहा देखो वहा खुशियों से भरी है द्वार
गुलाल से सजी थाल और ,पिचकारी का बौछार
आई है रंगों से भरी होली का त्योहार ।।
इस होली में छोड़ो रिश्तों में दरार
और करो प्यार भरी पिचकारी का वार।।
मनाओ खुशियों से ये त्योहार ,
आई है रंगों से भरी होली का त्योहार ।।
आती है इस दिन प्रहलाद की याद
उनके मिलते है कथा हजार ।।
विष्णु के परम भक्त याद आते है बारंबार ।
आई है रंगों से भरी होली का त्योहार ।।
जहा देखो चारो ओर रंगों का ही वार।
संगों से भरी गुब्बारे और और खुशियों का मिठास
अदभुत लगती है ये होली का सार
आई है रंगों से भरी होली का त्योहार ।।
बच्चों की मस्ती और नादानी का है ये आस।
बड़े भी बच्चे बन जाते है आई है ऐसा त्योहार
जहा देखो वहा खुशियों का ही वार
आई है रंगों से भरी होली का त्योहार

कविता
एक दिया जलाकर तो देख

घटती-घटना

श्यामसुंदर साहू
राजिम,गरियाबंद
छत्तीसगढ़

कोई कैसे नहीं मुस्कुराएगा
एक बार मुस्कुराकर तो देख
कोई कैसे नही समझेगा
प्यार से समझाकर तो देख
कोई कैसे हिम्मत हारेगा
हौसला बढ़ाकर तो देख
कोई कैसे नहीं आएगा
प्यार से बुलाकर तो देख
कोई कैसे ठोकर खाएगा
हाथ बढ़ाकर तो देख
कोई कैसे नही संभलेगा
सहारा देकर तो देख
कोई कैसे नहीं मानेगा
प्यार से मनाकर तो देख
कोई कैसे भटकेगा
राह दिखाकर तो देख
कोई कैसे नही जीतेगा
उत्साह बढ़ाकर तो देख
कोई कैसे संदेह करेगा
भरोसा दिलाकर तो देख
कब तक रहेगा अंधेरा
एक दिया जलाकर तो देख।

पानी की बरबादी को रोकना होगा

डॉ. मुश्ताक अहमद शाह
हरदा मध्य प्रदेश

जल ही जीवन है।
जल हमारे जीवन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।
यह हमारे शरीर को हाइड्रेटेड रखने, हमारे खाने को पचाने, और हमारे शरीर को साफ रखने में मदद करता है। लेकिन जल की बरबादी एक बड़ी समस्या है जो हमारे भविष्य के लिए खतरनाक हो सकती है।
जल की बरबादी को रोकने के लिए हमें कुछ उपाय करने होंगे।यहाँ कुछ और बिंदु हैं जो जल की बचत और संरक्षण के संबंध में महत्वपूर्ण हैं।जल की बचत के लिए घरेलू उपाय। पानी की टंकी को बंद करने के लिए ऑटोमैटिक शटऑफ वाल्व का उपयोग करें।नहाने के लिए शॉवर का उपयोग करने के बजाय बाल्टी का उपयोग करें।टॉयलेट में जल की बचत करने के लिए डुअल-फ्लश टॉयलेट का उपयोग करें।पानी के नलों को बंद करने के लिए ऑटोमैटिक शटऑफ वाल्व का उपयोग करें।वर्षा जल संचयन प्रणाली लगाएं।जल के प्रदूषण को रोकने के लिए।नदियों और तालाबों को साफ रखें।जल प्रदूषण को रोकने के लिए औद्योगिक इकाइयों को नियंत्रित करें।
कृषि में जल प्रदूषण को रोकने के लिए सुरक्षित और टिकाऊ कृषि पद्धतियों का उपयोग करें।जल प्रदूषण को रोकने के लिए घरेलू और औद्योगिक अपशिष्ट को सुरक्षित तरीके से निपटाएं।जल के संरक्षण के लिए शिक्षा और जागरूकता की आवश्यकता है।
सिंचाई के लिए ड्रिप इरिगेशन सिस्टम का उपयोग करें।उद्योगों में जल की बचत करने के लिए जल संचयन प्रणाली लगाएं।कृषि में जल की बचत करने के लिए सुरक्षित और टिकाऊ कृषि पद्धतियों का उपयोग करें।जल की बचत के लिए घरेलू उपाय। पानी की टंकी को बंद करने के लिए ऑटोमैटिक शटऑफ वाल्व का उपयोग करें।नहाने के लिए शॉवर का उपयोग करने के बजाय बाल्टी का उपयोग करें।टॉयलेट में जल की बचत करने के लिए डुअल-फ्लश टॉयलेट का उपयोग करें।पानी के नलों को बंद करने के लिए ऑटोमैटिक शटऑफ वाल्व का उपयोग करें।वर्षा जल संचयन प्रणाली लगाएं।जल के प्रदूषण को रोकने के लिए।नदियों और तालाबों को साफ रखें।जल प्रदूषण को रोकने के लिए औद्योगिक इकाइयों को नियंत्रित करें।
कृषि में जल प्रदूषण को रोकने के लिए सुरक्षित और टिकाऊ कृषि पद्धतियों का उपयोग करें।जल की बचत करने के लिए समुदाय को शामिल करें। जल की बचत करने के लिए सरकारी और गैर-सरकारी संगठनों के साथ सहयोग करें।इन तरीकों को अपनाकर हम पानी की बरबादी को रोक सकते हैं।और जल के संरक्षण में योगदान कर सकते हैं। जल के महत्व और जल की बचत के तरीकों के बारे में शिक्षा प्रदान करें।
जल के संरक्षण के लिए जागरूकता अभियान चलाएं। जल के संरक्षण के लिए समुदाय को शामिल करे। जल के संरक्षण के लिए सरकारी और गैर-सरकारी संगठनों के साथ सहयोग करें।

महिला पुरस्कारों की गरिमा और निष्पक्षता पर उठते प्रश्न

प्रियंका सौरभ
आर्यनगर, हिसार (हरियाणा)

हमारे तेज़ी से बदलते सामाजिक और राजनीतिक माहौल में,महिला पुरस्कारों का महत्त्व और आवश्यकता जांच के दायरे में आ रही है। हाल ही हरियाणा में महिला दिवस पर विवादित महिला का मुख्यमंत्री से सम्मान मामले ने गहरे प्रश्न सबके सामने रख दिए है। आज के सांस्कृतिक परिवेश में, जहाँ प्रतिनिधित्व को अक्सर प्राथमिकता दी जाती है,कुछ पुरस्कारों ने सच्ची उपलब्धियों से ध्यान हटाकर केवल दिखावे पर ध्यान केंद्रित किया है। महिला पुरस्कारों को पुराने प्रतीक या दिखावटीपन के उपकरण नहीं बनने चाहिए। उन्हें विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं की विशिष्ट चुनौतियों और सफलताओं पर प्रकाश डालना जारी रखना चाहिए। महिलाओं के पुरस्कारों के लिए, संस्थानों को इन विशिष्ट सम्मानों की प्रतिष्ठा बढ़ाने का लक्ष्य रखना चाहिए। महिलाओं की उपलब्धियाँ समर्पित स्वीकृति की हकदार हैं...एक बाद की सोच के रूप में नहीं, बल्कि उनके महत्त्वपूर्ण योगदान के लिए एक उचित श्रद्धांजलि के रूप में।

हाल ही हरियाणा में महिला दिवस पर विवादित महिला का मुख्यमंत्री से सम्मान मामले ने गहरे प्रश्न सबके सामने रख दिए है। कई वर्षों से, महिला पुरस्कार मान्यता के चमकदार प्रतीक के रूप में खड़े हैं, जो उन क्षेत्रों में महिलाओं की उपलब्धियों को उजागर करते हैं जहाँ उन्हें अक्सर दरकिनार कर दिया जाता है। ये सम्मान सिर्फ़ समावेशन के लिए एक प्रेरणा से कहीं ज़्यादा है;इनका उद्देश्य ऐसे समाज में उत्कृष्ट उपलब्धियों को सम्मानित करना है जो अक्सर महिलाओं के योगदान को अनदेखा करता था। हालाँकि,राजनीतिक प्रभावों और बदलते सांस्कृतिक दृष्टिकोणों से चुनौती के कारण इन पुरस्कारों की अखंडता अब जोखिम में है। महिला पुरस्कारों का भविष्य समाज की निष्पक्षता,मान्यता और समावेशिता के बीच संतुलन खोजने की क्षमता पर निर्भर करता है। ऐसे में ये महत्त्वपूर्ण है कि हम आगे चलकर महिला उपलब्धियों का सम्मान कैसे करते हैं। महिला पुरस्कारों ने ऐतिहासिक रूप से विभिन्न क्षेत्रों में महिला उपलब्धियों को स्वीकार करने और सम्मानित करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है। चाहे साहित्य, विज्ञान,खेल या फ़िल्म हो, इन पुरस्कारों ने उन क्षेत्रों में आवश्यक मान्यता प्रदान की है जहाँ महिलाओं को अक्सर चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। हालाँकि, हमारे तेज़ी से बदलते सामाजिक और राजनीतिक माहौल में, इन पुरस्कारों का महत्त्व और आवश्यकता जांच के दायरे में आ रही है। अतीत में, महिला पुरस्कार उन क्षेत्रों में उत्कृष्टता की कड़ी मेहनत से स्वीकारोक्ति का प्रतिनिधित्व करते थे, जहाँ अक्सर महिला प्रतिभा को अनदेखा किया जाता था। वे सिर्फ़ समावेश के प्रतीक नहीं थे, बल्कि लचीलेपन, दृढ़ संकल्प और अग्रणी सफलता के प्रतीक थे। हालाँकि, आज, इन पुरस्कारों की अखंडता खोने का जोखिम है-महिलाओं की उपलब्धियों में गिरावट के कारण नहीं, बल्कि इसलिए कि उनकी मान्यता का मूल अर्थ धुंधला, राजनीतिकरण या पूरी तरह से खारिज हो रहा है।

ऐसे समय में जब समावेशिता को अपनाने का दावा किया जाता है, महिला पुरस्कारों का अनूठा उद्देश्य उल्टा जोखिम में है। कुछ लोग तर्क देते हैं कि समानता के उद्देश्य वाले समाज में लिंग-विशिष्ट पुरस्कार अब मौजूद नहीं होने चाहिए। लेकिन क्या सच्ची समानता उन मंचों को ख़त्म करने से आती है जो कभी महिलाओं की आवाज़ को बुलंद करते थे? समान अवसर बनाने के बजाय, हम एक चिंताजनक प्रवृत्ति देख रहे हैं महिलाओं के योगदान को सम्मानित करने के लिए डिज़ाइन किए गए पुरस्कारों का मिश्रण, पुनर्उद्देश्य या पूर्ण रूप से हटाना। आज के सांस्कृतिक परिवेश में, जहाँ प्रतिनिधित्व को अक्सर प्राथमिकता दी जाती है, कुछ पुरस्कारों ने सच्ची उपलब्धियों से ध्यान हटाकर केवल दिखावे पर ध्यान केंद्रित किया है। वास्तविक योग्यता का जश्न मनाने के बजाय, चयन समितियाँ राजनीतिक शुद्धता के साथ सरेखित विकल्प चुनने के लिए बाध्य महसूस कर रही हैं, जो पुरस्कारों की अखंडता से समझौता कर सकती हैं। यदि किसी महिला को उसकी असाधारण क्षमताओं के लिए नहीं बल्कि इसलिए सम्मानित किया जाता है क्योंकि वह किसी विशिष्ट कथा में फिट बैठती है, तो क्या वह मान्यता वास्तव में समान महत्व रखती है? महिला पुरस्कारों को पुराने प्रतीक या दिखावटीपन के उपकरण नहीं बनने चाहिए। उन्हें विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं की विशिष्ट चुनौतियों और सफलताओं पर प्रकाश डालना जारी रखना चाहिए। इसका उत्तर इन पुरस्कारों के महत्त्व को बढ़ाने में है-यह सुनिश्चित करना कि वे केवल एक प्रतीकात्मक इशारे के बजाय सच्ची उत्कृष्टता का प्रतिनिधित्व करते हैं। यदि हम वास्तव में महिलाओं का जश्न मनाना चाहते हैं, तो उनके पुरस्कार केवल औपचारिकता नहीं होने चाहिए। उन्हें प्रतिभा, लचीलेपन और महत्त्वपूर्ण योगदान की सही स्वीकृति के रूप में काम करना चाहिए। इसके अलावा, पुरस्कारों के बढ़ते राजनीतिकरण ने योग्यता-आधारित मान्यता की स्पष्टता को धुंधला कर दिया है।

कुछ पुरस्कार वास्तविक उत्कृष्टता पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय प्रतिनिधित्व, विविधता कोटा और प्रदर्शनकारी सक्रियता के बारे में चर्चाओं में फंस गए हैं। जब विजेताओं का चयन मुख्य रूप से उनकी उल्लेखनीय उपलब्धियों के बजाय अन्य कारकों के आधार पर किया जाता है, तो इससे पुरस्कारों की विश्वसनीयता कम हो जाती है।

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा। -सम्पादक

CMYK

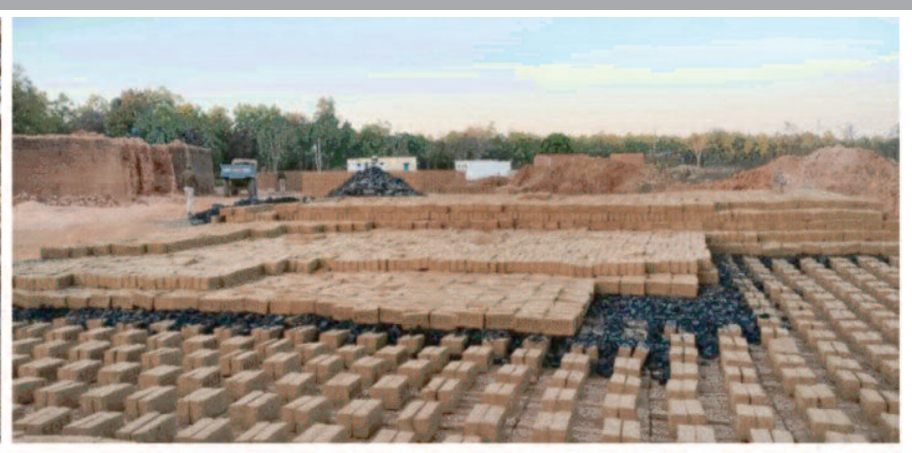

अवैध उत्खनन,परिवहन,भण्डारण को लेकर प्रशासन सख्त

- संवाददाता -
सूरजपुर,11 मार्च 2025 (घटती-घटना)।

कलेक्टर श्री एस. जयवर्धन के निर्देशानुसार जिले में अवैध उत्खनन, परिवहन, भण्डारण करने वालों पर अब सख्ती से कार्यवाही की जा रही है। खनिज विभाग द्वारा सूरजपुर जिले अन्तर्गत प्रभावित क्षेत्रों का चिन्हांकन कर विशेष निगरानी की जा रही है। ऐसे क्षेत्रों में निर्मित स्थायी संरचनाओं पुल-पुलिया व एनीकट के आसपास से खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन, भण्डारण पर खनिज अमला द्वारा सतत् जांच की जा रही।

खनिज अमला द्वारा रामानुजनगर जनपद अंतर्गत ग्राम पंचायत मदनेश्वरपुर एवं पवनपुर में खनिज मिट्टी के अवैध उत्खनन के 02 प्रकरणों पर उत्खननकर्ता के विरुद्ध अर्थदंड की राशि रूपये 01 लाख 23 हजार 450 रुपये वसूल कर खनिज मद में जमा कराई गई है। 06 मार्च को वाहनों के जांच के दौरान प्रेमनगर जनपद पंचायत क्षेत्र के ग्राम ब्रम्हपुर में खनिज मिट्टी के 01 प्रकरण पर अर्थदंड की राशि रूपये 14 हजार 596 रूपये तथा 07 मार्च को ग्राम नमदगिरी एवं छठ घाट सूरजपुर में खनिज ईंट के अवैध परिवहन के 02 प्रकरणों पर अर्थदंड की राशि रूपये 27 हजार 350 रुपये कुल राशि रुपये 41 हजार 946 रुपये वसूल कर खनिज मद में जमा कराई गई है। इसी क्रम में जनपद पंचायत रामानुजनगर क्षेत्रान्तर्गत ग्राम पंचायत नकना में अवैध रूप से खनिज मिट्टी का उत्खनन कर श्री टीपनारायण साहू, श्री ठाकुरदयाल साहू, श्री प्रवीण साहू एवं प्रमोद कुमार राजवाड़े निवासी ग्राम नकना के द्वारा ईंट निर्माण कर भट्ठे का संचालन करते पाया गया, जिसे जप्त करते हुए अवैध उत्खनन प्रकरण दर्ज किया गया है. जिसकी कार्यवाही प्रचलन में है। मौके जांच में ईंट पकाने के लिए डंप किए गए खनिज कोयले का वैध दस्तावेज, पारपत्र प्रस्तुत करने हेतु उत्खननकर्ताओं को नोटिस दिया गया।

स्कूटी चोरी करने आये युवक को लोगों ने हाथ पैर बांधकर पीटा

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 11 मार्च 2025 (घटती-घटना)।

एक युवक अपने साथी के साथ मंगलवार की दोपहर स्कूटी चोरी करने शहर के गंगापुर स्थित तुलसी चौक पहुंचा था। इस दौरान उसे लोगों ने पकड़ लिया, जबकि उसका साथी वहां से फरार हो गया। इसके बाद लोगों ने उसके हाथ-पैर बांध दिए और जमकर पिटाई की। मारपीट के दौरान काफी संख्या में लोग मौके पर जुट गए। इस दौरान कई लोगों ने इसका वीडियो भी मोबाइल पर बनाया। वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। बाद में आरोपी को पुलिस के हवाले कर दिया गया। शहर के प्रतीक्षा बस स्टैंड से लगे गंगापुर के तुलसी चौक में पुलिस लाइन निवासी चुटिया नामक युवक अपने एक साथी के साथ मंगलवार की दोपहर स्कूटी चोरी करने पहुंचा था। स्कूटी चोरी करने के दौरान उसका वीडियो सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया।कैमरे में उसका चेहरा पहचानने के बाद लोगों ने उसे पकड़ लिया, जबकि उसका साथी वहां से फरार हो गया। इसके बाद गुस्साए लोगों ने उसके हाथ-पैर बांध दिए और जमकर पिटाई की। बताया जा रहा है कि युवक शातिर चोर है। उसके खिलाफ पूर्व में भी चोरी के मामले दर्ज हैं।

भारी मात्रा में नशीली इंजेक्शन के सहित एक व्यक्ति गिरफ्तार,थाना झिलमिली पुलिस की कार्यवाही

- संवाददाता -
सूरजपुर,11 मार्च 2025 (घटती-घटना)।

डीआईजी व एसएसपी श्री प्रशांत कुमार ठाकुर ने जिले के थाना-चौकी प्रभारियों को नशे के धंधे में लिप्त लोगों के विरूद्ध सख्त कार्यवाही करते एवं क्षेत्र में सक्रिय मुखबीर का जाल फैलाने के निर्देश दिए थे जिसके बाद से ही जिले की पुलिस नशीली पदार्थ के गोरख धंधे पर सतत् निगाह बनाए हुए है और लगातार कार्यवाही करने में लगी हुई है। इसी तारतम्य में दिनांक 10.03.2025 को थाना झिलमिली पुलिस को मुखबीर से सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम दवना में एक व्यक्ति नशीली दवाई बिक्री करने के लिए ग्राहक की तलाश कर रहा है। थाना झिलमिली पुलिस ने सूचना की तस्दीक व कार्यवाही हेतु ग्राम दवना पहुंची जहां घेराबंदी कर सुशील दास पिता आनंद दास उम्र 28 वर्ष निवासी ग्राम दवना, थाना झिलमिली को पकड़ा जिसके कब्जे से नशीली इंजेक्शन एविल 220 नग व रेक्सोजेसिक 210 नग कुल 430 नग नशीली इंजेक्शन पाया जिसकी बाजारू कीमत करीब 2 लाख 15 हजार रूपये है। मामले में नशीली इंजेक्शन जप्त कर आरोपी के विरूद्ध धारा 21(सी) एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्यवाही कर उसे गिरफ्तार किया है। इस कार्यवाही में थाना प्रभारी झिलमिली नसीमुद्दीन, एएसआई महेन्द्र सिंह मरावी, प्रधान आरक्षक महेन्द्र यादव, अलबिनुस तिर्की, आरक्षक दीपक एक्का, हेमंत सिंह व वसीम राजा सक्रिय रहे।

उदयपुर में दर्दनाक सड़क हादसा,6 वर्षीय मासूम की कुचलकर मौत

- संवाददाता -
अंबिकापुर,11 मार्च 2025 (घटती-घटना)।

उदयपुर थाना क्षेत्र के ग्राम रिखी में मंगलवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में 6 वर्षीय मासूम की मौत हो गई। मृतक की पहचान राजेश हरिजन पिता शिवनंदन के रूप में हुई है, जो अंबिकापुर के ग्राम सुखरी, थाना मणिपुर का निवासी था। वह रविवार को ही अपने नाना-नानी के घर रिखी आया था।

जानकारी अनुसार, मासूम सड़क किनारे पड़े गिट्टी के साथ खेल रहा था, तभी वाहन क्रमांक सीजी 15 ऐसी 5023 के चालक ने लापरवाहीपूर्वक ट्रक चलाते हुए उसे कुचल दिया। इस दर्दनाक हादसे में बच्चे की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही उदयपुर थाना प्रभारी कुमारी चंद्राकर के नेतृत्व में सब-इंस्पेक्टर आभास मिंज, प्रधान आरक्षक राजेश चतुर्वेदी, आरक्षक देवेंद्र, विजय सिंह और वीरेंद्र मौके पर पहुंचे और शव को पोस्टमार्टम के लिए सीएससी उदयपुर भेज दिया। इस हादसे के बाद ग्रामीणों में भारी आक्रोश देखने को मिला, वहीं परिजनों सहित पूरे इलाके में मातम पसर गया। पुलिस ने ट्रक चालक और क्लीनर को हिरासत में ले लिया है और मामले की जांच जारी है।

गोंगपा के संभागीय महासचिव बनेःचन्द्रदीप कोरचो

- संवाददाता -
सूरजपुर,11 मार्च 2025 (घटती-घटना)।

गोंडवाना गणतंत्र पार्टी सरगुजा के संभागीय महासचिव चन्द्रदीप कोरचो को नियुक्त की गई है, कोरचो ने पार्टी प्राधिकारियों का आभार व्यक्त किया, और कहा कि पार्टी जो जिम्मेदारी देंगी उसे पूरी निष्ठा से पालन करूंगा, गोंगपा पार्टी की विचारधारा को जन - जन तक पहुंचाएंगे। वहीं लोगों की जनहित समस्या को लेकर आंदोलन के माध्यम से शासन-प्रशासन को ध्यान आकर्षण किया जाएगा। बैठक दौरान संभागीय अध्यक्ष सुखराज पोया, संभागीय सचिव राजकुमार पोया, संभागीय महामंत्री गेरा राम कुजूर, वहीं कोरचो ने पत्रकारों से चर्चा के दौरान कहा प्रदेश में लाखों युवा- युवती बेरोजगार पड़े हैं लेकिन प्रदेश की भाजपा सरकार पास कोई ठोस नीति नहीं है राज्य के युवा अन्य प्रदेशों में पलायन कर रहे हैं, प्रदेश में अवैध शराब, नशीले पदार्थों का युवा ज्यादा सेवन कर रहे हैं जिससे राज्य में हत्या, लुट, मार जैसी घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं, प्रदेश में कानून व्यवस्था लचर है छत्तीसगढ़ राज्य में अपार खनिज संपदा होने के बाद भी यहां की नागरिक गरीब है। देश, प्रदेश में महंगाई तेजी से बढ़ी है लेकिन केंद्र व राज्य सरकार महंगाई कम नहीं कर पा रही है। विभिन्न विभागों के संविदा कर्मचारियों अपनी जायज मांगों को लेकर आंदोलनरत हैं, लेकिन प्रदेश सरकार नजर अंदाज कर रही है।

लखनपुर पुलिस ने प्रकरणों के निराकरण के बाद 282.520 लीटर अंग्रेजी और महुआ शराब का किया नष्टीकरण

- संवाददाता -
लखनपुर,11 मार्च 2025 (घटती-घटना)।

सरगुजा पुलिस अधीक्षक योगेश पटेल के आदेशानुसार एसडीओपी ग्रामीण अंबिकापुर मानक राम कश्यप के निर्देशन पर लखनपुर थाने में आबकारी एक्ट के अंतर्गत जप्त 282.520 लीटर अंग्रेजी और महुआ शराब का पुलिस द्वारा 11 मार्च दिन मंगलवार की शाम लगभग4:00 बजे नष्टीकरण की कार्रवाई की गई है।जो अपराध क्रमांक 142/14 धारा 34(2)आबकारी एक्ट जप्त महुआ शराब 15 लीटर, अपराध क्रमांक 64/15 धारा 34(2) आबकारी एक्ट जब अंग्रेजी शराब 24.240 लीटर, अपराध क्रमांक 166/16 धारा 34(2)आबकारी एक्ट जप्त महुआ शराब 10 लीटर ,अपराध क्रमांक 50/17 धारा 34(2) आबकारी एक्ट जप्त अंग्रेजी शराब 233.280 लीटर , कुल महुआ शराब 25 लीटर एवं अंग्रेजी शराब 257.520 लीटर को माननीय न्यायालय के निर्णय उपरांत जप्त शराब को नियमानुसार नष्टीकरण लखनपुर पुलिस द्वारा चीरघर के पास जेसीबी के माध्यम से गड्ढा खुदवाकर उक्त अपराधों में जप्त शराब को गड्ढा में सीसी तोड़वाकर दफन कर मिट्टी से दबाया ने की कार्रवाई की गई। संपूर्ण कार्रवाई में थाना प्रभारी प्रशिक्षु आईपीएस मयंक मिश्रा, कुन्नी चौकी प्रभारी सहायक उप निरीक्षक मनोज सिंह, प्रधान आरक्षक नरेंद्र जांगड़े चित्रसेन प्रधान उपस्थित रहे।

होली पर्व को देखते हुए मिलावटी मिठाइयों पर की नजर

अंबिकापुर,11 मार्च 2025 (घटती-घटना)। होली त्योहार के मद्देनजर मिलावटी खोवा एवं गुणवत्ताहीन मिठाइयों की बिक्री की आशंका को देखते हुए कलेक्टर श्री विलास भोसकर के निर्देशानुसार खाद्य एवं औषधि प्रशासन, सरगुजा द्वारा सघन निरीक्षण अभियान चलाया जा रहा है। नियंत्रक, खाद्य एवं औषधि प्रशासन छत्तीसगढ़ एवं अभिहित अधिकारी के निर्देशानुसार जिलेभर में मिठाई दुकानों की कड़ी जांच की जा रही है।

कनाडा और अमरिका के बीच शुरू हुआ टैरिफ वॉर!

ट्रंप ने स्टील और एल्युमीनियम पर 50% शुल्क लगाने का किया एलान

वॉशिंगटन,11 मार्च 2025। दुनियाभर के बाजारों में जोरदार गिरावट के बावजूद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि कनाडा से एल्युमीनियम और इस्पात के आयात पर प्रस्तावित शुल्क को दोगुना किया जाएगा। यह अब 25 फीसदी से बढ़ाकर 50 फीसदी किया जाएगा।

ट्रुथ सोशल पर ट्रंप ने लिखा कि बुधवार से लागू होने वाले टैरिफ में वृद्धि ओंटारियो की प्रांतीय सरकार द्वारा संयुक्त राज्य अमेरिका को बेची जाने वाली बिजली की कीमतों में की गई वृद्धि का जवाब है। मैंने अपने वाणिज्य सचिव को निर्देश दिया है कि वे कनाडा से संयुक्त राज्य अमेरिका में आने वाले सभी स्टील और एल्युमीनियम पर 25त्न से लेकर 50त्न तक का अतिरिक्त टैरिफ लगाएं, जो कि दुनिया में सबसे अधिक टैरिफ लगाने वाले देशों में से एक है। ट्रंप ने लिखा कि यह 12 मार्च को लागू होगा। साथ ही कनाडा को विभिन्न अमेरिकी डेयरी उत्पादों पर 250त्न से 390त्न तक के अपने एंटी-अमेरिकन किसान टैरिफ को तुरंत हटाना चाहिए, इसे लंबे समय से अपमानजनक माना जाता रहा है। मैं जल्द ही खतरे वाले क्षेत्र में बिजली पर राष्ट्रीय आपातकाल की घोषणा करूंगा। इससे अमेरिका को कनाडा से इस अपमानजनक खतरे को कम करने के लिए जो कुछ भी करना है,वह जल्दी से करने में मदद मिलेगी।

ट्रंप ने कहा कि यदि कनाडा द्वारा अन्य गंभीर, दीर्घकालिक टैरिफ को भी नहीं हटाया जाता है, तो मैं दो अप्रैल को अमेरिका में आने वाली कारों पर टैरिफ में काफी वृद्धि करूंगा, यह कनाडा में ऑटोमोबाइल विनिर्माण व्यवसाय को स्थायी रूप से बंद कर देगा। वे कारें आसानी से यूएसए में बनाई जा सकती हैं। साथ ही कनाडा राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बहुत कम भुगतान करता है, सैन्य सुरक्षा के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका पर निर्भर करता है। हम कनाडा को प्रति वर्ष 200 बिलियन डॉलर से अधिक की सब्सिडी दे रहे हैं...क्यों? यह जारी नहीं रह सकता।

ट्रंप ने कहा कि मुझे एक बात जो समझ में आती है वह यह है कि कनाडा हमारा 50वां राज्य बन जाए। इससे सभी टैरिफ और बाकी सब कुछ पूरी तरह से गायब हो जाएगा। कनाडाई लोगों के करों में काफी कमी आएगी, वे पहले से कहीं अधिक सैन्य और अन्यथा सुरक्षित होंगे,अब उत्तरी सीमा की समस्या नहीं होगी, और दुनिया का सबसे बड़ा और सबसे शक्तिशाली राष्ट्र पहले से कहीं अधिक बड़ा, बेहतर और मजबूत होगा और कनाडा इसका एक बड़ा हिस्सा होगा। कई वर्षों पहले खींची गई कृत्रिम विभाजन रेखा अंततः समाप्त हो जाएगी और हमारे पास विश्व का सबसे सुरक्षित और सबसे सुंदर राष्ट्र होगा। आपका शानदार राष्ट्रगान ओ कनाडा बजता रहेगा, लेकिन अब यह विश्व के अब तक देखे गए सबसे महान राष्ट्र के भीतर एक महान और शक्तिशाली राज्य का प्रतिनिधित्व करेगा।

मॉरीशस का सर्वोच्च पुरस्कार पाने वाले पहले भारतीय बने क्कक्रू मोदी, बोले- यह ऐतिहासिक संबंधों का सम्मान

पोर्ट लुईस,11 मार्च 2025। मॉरीशस के प्रधानमंत्री नवीनचंद्र रामगुलाम ने पीएम नरेंद्र मोदी को अपने सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार द ग्रांड कमांडर ऑफ द ऑर्डर ऑफ द स्टार एंड की ऑफ द इंडियन ओशन से सम्मानित किया है। यह सम्मान प्रधानमंत्री मोदी को भारत और मॉरीशस के बीच संबंधों को मजबूत करने के लिए उनके योगदान के लिए दिया गया है। मोदी इस सम्मान को प्राप्त करने वाले पहले भारतीय हैं। यह 21वां अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार है जो प्रधानमंत्री मोदी को किसी अन्य देश द्वारा दिया गया है। रामगुलाम ने कहा कि मोदी पांचवें विदेशी नागरिक हैं, जिन्हें यह प्रतिष्ठित सम्मान दिया गया है।

सर्वोच्च सम्मान से नवाजे जाने से पहले प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, मॉरीशस के पीएम ने अभी घोषणा की है कि वे मुझे अपने सर्वोच्च नागरिक सम्मान से सम्मानित करेंगे। मैं आपके फैसले को विनम्रता के साथ स्वीकार करना चाहता हूं। यह भारत और मॉरीशस के ऐतिहासिक संबंधों का सम्मान है।

भारतीय समुदाय के कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, जब भी मैं मॉरीशस आता हूं, तो ऐसा लगता है जैसे में अपने ही लोगों के बीच हूं। प्रधानमंत्री ने कहा, भारत और मॉरीशस के संबंधों में मधुरता बढ़ी है। मॉरीशस के नागरिकों को उनके राष्ट्रीय दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। उन्होंने कहा, मैं दस साल पहले इसी दिन मॉरीशस आया था। यह होली के सप्ताह बाद दौरा था और मैं अपने साथ फगवा की खुशी लेकर आया था। इस बार मैं होली के रंगों को अपने साथ भारत ले जाऊंगा।

डायल 112 के चालक का शव पेड़ से लटका मिला, पुलिस जांच में जुटी

- संवाददाता -
अंबिकापुर,11 मार्च 2025 (घटती-घटना)।

गांधीनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत मेंड्रा खुर्द जंगल में डायल 112 के एक चालक का शव पेड़ से लटका हुआ मिला। मृतक की पहचान ललित नारायण सिंह उर्फ पप्पू के रूप में हुई है, जो अंबिकापुर शहर के तुर्रापानी इलाके का रहने वाला था।

घटना सोमवार दोपहर की बताई जा रही है। प्रारंभिक जांच में यह मामला फांसी लगाकर आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है, हालांकि इसके पीछे की वजह अब तक स्पष्ट नहीं हो पाई है। मृतक गांधीनगर थाना क्षेत्र में डायल 112 की वाहन को चलता था।

स्थानीय लोगों द्वारा शव देखे जाने के बाद पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची गांधीनगर पुलिस ने

शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है और यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि यह आत्महत्या है या इसके पीछे कोई अन्य कारण है।

मेडिकल कॉलेज अस्पताल परिसर से चोरी हुई तीन मोटरसाइकिल के साथ आरोपी गिरफ्तार

- संवाददाता -
अंबिकापुर,11 मार्च 2025 (घटती-घटना)।

दोपहिया वाहन चोरी के मामले मे थाना मणिपुर पुलिस टीम द्वारा आरोपी के विरुद्ध सख्त वैधानिक कार्यवाही करते हुए आरोपी के कब्जे से जिला अस्पताल परिसर से चोरी किया गया 03 नग दोपहिया वाहन बरामद किया गया है।

पुलिस ने बताया कि प्रार्थी शहबाद सिद्दकी निवासी मोमिनपुरा थाना कोतवाली अम्बिकापुर द्वारा दिनांक 4 फरवरी कों थाना मणीपुर आकर रिपोर्ट दर्ज कराया कि 03 फरवरी को प्रार्थी अपने बहन के ईलाज हेतु अपने मोटर सायकिल हीरो स्पलेण्डर क्रमांक सीजी/30/डी/8750 से जिला अस्पताल अम्बिकापुर गया था और अपने मोटर सायकिल को अस्पताल परिसर के मोटर सायकल स्टैण्ड मे खड़ी कर अस्पताल के अंदर गया था। बाद मे अपने मोटर सायकिल खड़ी किये हुए स्थान पर वापस आकर देखा तो प्रार्थी का मोटर सायकिल मौक़े पर नही था आसपास पत्ता तलाश किया जो पता नहीं चला जो कोई अज्ञात व्यक्ति प्रार्थी के मोटर सायकिल को चोरी

कर ले गया है। मामले मे प्रार्थी कि रिपोर्ट पर थाना मणीपुर मे धारा 303(2) बी. एन. एस. का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

दौरान विवेचना पुलिस टीम द्वारा प्रार्थी का कथन लेख कर घटनास्थल का निरीक्षण किया गया। पुलिस टीम द्वारा अज्ञात आरोपी एवं चोरी गई संपत्ति का पता तलाश किया जा रहा था।दौरान पता तलाश मुखबीर से सूचना मिली कि ग्राम लुचकी लालमाटी निवासी रोशन केरकेट्टा मोटर सायकिल पैशन प्रो बिना नम्बर की बिक्री हेतु ग्राहक खोज रहा हैं। सूचना पर पुलिस टीम द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए संदेही रोशन फेरकेट्टा को पकड़कर पूछताछ किया गया। संदेही द्वारा अपना नाम रोशन केरकेट्टा आत्मज प्रेम केरकेट्टा उम्र 25 वर्ष निवासी लुचकी लालमाटी थाना कोतवाली अम्बिकापुर का होना बताया। संदेही से घटना के सम्बन्ध मे पूछताछ करने पर गोल मोल जवाब दे रहा था जिसे थाना लाकर पूछताछ करने पर बताया कि आरोपी लगभग 03 माह पूर्व जिला अस्पताल अम्बिकापुर आया था और चोरी करने के नियत से जिला अस्पताल अम्बिकापुर परिसर में घूम रहा था। उसी समय आरोपी एक पैशन प्रो मोटर सायकिल के लॉक को तोडकर, डायरेक्ट चालू कर चोरी कर ले गया। इसके पहले भी अक्टूबर माह में एक एचएफ डिलक्स मोटर सायकिल एवं फरवरी 2025 मे हीरो स्पेलेण्डर मोटर सायकिल को जिला अस्पताल अम्बिकापुर परिसर से चोरी करना स्वीकार किया गया। आरोपी उपरोक्त गाडियों को अपने घर के पीछे झाड़ी में छुपाकर रखना बताया। आरोपी के निशानदेही पर तीनों दोपहिया वाहन को जप्त किया गया हैं। आरोपी के विरूद्ध धारा सदर का अपराध घटित करना पाये जाने से प्रकरण मे आरोपी कों गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय मे पेश किया गया हैं।

सम्पूर्ण कार्यवाही मे थाना प्रभारी मणिपुर उप निरीक्षक अखिलेश सिंह, सहायक उप निरीक्षक रामचंद्र सिंह, सहायक उप निरीक्षक बबलू कुजूर, प्रधान आरक्षक महेश्वर सिंह, आरक्षक उमाशंकर साहू, अतुल शर्मा, अनिल सिंह सक्रिय रहे।

बलरामपुर जिले में 250 एकड़ शासकीय भूमि फर्जी दस्तावेजों से बेचने का आरोपी गिरफ्तार

- संवाददाता -
बलरामपुर, 11 मार्च 2025 (घटती-घटना)।

बलरामपुर-रामानुजगंज पुलिस ने 250 एकड़ शासकीय भूमि फर्जी दस्तावेजों से बेचने के मामले में लंबे समय से फरार चल रहे आरोपी मोहम्मद याकुब को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी पिछले 10 वर्षों से फरार था।

क्या है पूरा मामला?

18 जुलाई 2015 को नायब तहसीलदार कुंजीलाल सिंह ने थाना रामानुजगंज में लिखित शिकायत दर्ज कराई थी कि ग्राम इंद्रपुर की 250 एकड़ शासकीय भूमि को आरोपी व्यास मुनी यादव, लालजी यादव और उनके अन्य सहयोगियों ने फर्जी दस्तावेज तैयार कर अपने नाम दर्ज कराया और बाद में कोल माइनिंग कंपनी प्राइवेट लिमिटेड को बेच दिया। मामले की जांच अपर आयुक्त राजस्व सरगुजा अंबिकापुर एवं अपर कलेक्टर रामानुजगंज द्वारा की गई, जिसमें धोखाधड़ी की पुष्टि हुई।

मुख्य आरोपी लंबे समय से था फरार

पुलिस अधीक्षक वैभव बैंकर के निर्देशन में एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विश्वदीपक त्रिपाठी और अनुविभागीय अधिकारी याकुब मेमन के मार्गदर्शन में आरोपी को गिरफ्तार करने की योजना बनाई गई। घटना के बाद से ही मोहम्मद याकुब फरार चल रहा था। पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि वह अपने घर गढ़वा, झारखंड आया हुआ है। सूचना के आधार पर रामानुजगंज पुलिस टीम ने गढ़वा जाकर आरोपी मोहम्मद याकुब पिता स्व. मोहम्मद वली, 50 वर्ष, निवासी बड़ी जामा मस्जिद गली, ईराकी मोहल्ला, गढ़वा, झारखंड) को हिरासत में लिया और रामानुजगंज लाया गया।

महिला सशक्तिकरण की मिसाल

महिला कांग्रेस ने नवनिर्वाचित पार्षदों को किया सम्मानित, निर्धन बालिका का कराया विवाह

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,11 मार्च 2025 (घटती-घटना)।

महिला दिवस पर महिला कांग्रेस द्वारा नवनिर्वाचित महिला पार्षदो का सम्मान किया गया। महिलाओं के बीच नृत्य, गायन, कविता पाठ,वाद-विवाद सहित विविध प्रतियोगिता रखी गयी।

कांग्रेस भवन में सोमवार को आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए महिला कांग्रेस जिला अध्यक्ष सीमा सोनी ने कहा महिलाएं घर गृहस्थी को व्यवस्थित करने के साथ समाज के कामो में भागीदारी निभाती हैं। हर क्षेत्र में महिलाएं पुरुषो के कंधे से कंधा मिलाकर काम कर रही है।उन्होंने महिलाओं के अधिकारों की जानकारी भी दी।इस दौरान महिलाओं ने सांस्कृतिक प्रस्तुति दी। विभिन्न प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किया गया।

कार्यक्रम के मध्य नवनिर्वाचित महिला पार्षदो को साल श्रीफल से सम्मानित किया गया।

महिलाओं ने कराया निर्धन बालिका का विवाह

महिला कांग्रेस पदाधिकारियों और सदस्यों ने आर्थिक आभाव से जूझ रही एक कन्या का विवाह आपसी सहयोग से कराया।महिलाओं ने आपस मे चंदा जमा के निर्धन बालिका के विवाह के लिए आर्थिक सहयोग करने के साथ साथ साड़ियां, घरेलू उपयोग की वस्तुएं और श्रृंगार सामग्री प्रदान किया। इस अवसर पर महिला कांग्रेस की पदाधिकारी और सदस्यगण उपस्थित थे।

कांग्रेसजनों ने ईडी एवं भाजपा का फूंका पुतला

- संवाददाता -
सूरजपुर,11 मार्च 2025 (घटती-घटना)।

भाजपा सरकार के तानाशाही रवैये एवं लोकतंत्र का हत्या करने का कुंठित प्रयास में विपक्ष के आवाज को दबाने का नया तरीका अपना कर सीबीआई एवं ईडी जैसे सरकारी तंत्र का उपयोग कर विपक्ष का आवाज दबाने के विरोध में एवं पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के निवास पर जबरन ईडी की कार्यवाही के विरोध में आज जिला कांग्रेस अध्यक्ष भगवती राजवाड़े के नेतृत्व में ब्लॉक कांग्रेस कार्यालय से पदयात्रा करते हुए अग्रसेन चौक में भाजपा और ईडी का पुतला जलाकर विरोध प्रदर्शन किया गया उस दौरान पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष नरेश राजवाड़े,ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष अश्विनी सिंह,नपा अध्यक्ष कुसुमलता राजवाड़े,जिला कांग्रेस महामंत्री मनोज डालमिया, इस्माइल खान, पीसीसी सदस्य जफर हैदर,मनोज अग्रवाल, रामचन्द्र यादव,विष्णु कसेरा, एनएसयुआई जिलाध्यक्ष आकाश साहू, अविनाश यादव,शरद सिंह,नीरज तायल, हेमलता राजवाड़े, लक्ष्मण राजवाड़े, किरण सिंह, भावना सिंह, राम किशुन सिंह, आशीष सिंह, शिवम साहू, विनोद,दानिश,रब्बानी एवं अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे..

कार्यालय अधीक्षण अभियंता
लोक निर्माणविभाग (भ/स) अम्बिकापुर मण्डल अम्बिकापुर

निविदा आमंत्रण तिथिः- 10/03/2025

ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना

01. निविदा की विस्तृत जानकारी के लिये Log inकरें https://eproc.cgstate.gov.in
02. संबंधित संभाग-सूरजपुर संभाग
03. स.क्रं. 01 से 04 - 'स' वर्ग एवं ऊपर के ठेकेदार
04. ऑनलाईन निविदा डालने की अंतिम तिथि - 01/04/2025

सरल क्र.	एनआईटी क्रमांक	कार्य का नाम	अनुमानित लागत
1	2	3	4
1	178	जिला सूरजपुर विकासखण्ड प्रेमनगर के चंदननगर में हायर सेकेण्डरी स्कूल भवन का निर्माण कार्य विद्युतीकरण सहित। (प्रथम आमंत्रण)	119.98
2	179	जिला सूरजपुर विकासखण्ड प्रेमनगर के लक्ष्मणपुर में हायर सेकेण्डरी स्कूल भवन का निर्माण कार्य विद्युतीकरण सहित। (प्रथम आमंत्रण)	119.98
3	180	जिला सूरजपुर विकासखण्ड प्रेमनगर के बकालो में हायर सेकेण्डरी स्कूल भवन का निर्माण कार्य विद्युतीकरण सहित। (प्रथम आमंत्रण)	119.98
4	181	जिला जेल सूरजपुर में 01 बैरक, (50 बंदी क्षमता भुतल +50 बंदी क्षमता प्रथम तल) का निर्माण कार्य विद्युतीकरण सहित। (प्रथम आमंत्रण)	116.50

जी नंबर-242505873/1

अधीक्षण अभियंता
लोक निर्माण विभाग
अम्बिकापुर मण्डल अम्बिकापुर

ये क्या बहुमत के बाद भी जिला पंचायत एमसीबी उपाध्यक्ष का पद गवां गई भाजपा ?

3 सदस्य जीताकर भी कांग्रेस बना ले गई एमसीबी जिला पंचायत उपाध्यक्ष का पद...कोरिया व एमसीबी के नेताओं में दिखा अंतर...कोरिया की कांग्रेस टीम से अच्छी निकली एमसीबी की कांग्रेस टीम

जिला पंचायत अध्यक्ष उपाध्यक्ष का चुनाव पर भी उठा सवाल...एक साथ चुनाव व एक साथ परिणाम की घोषणा क्यों नहीं ?

अध्यक्ष उपाध्यक्ष का चुनाव क्यों किया गया अलग-अलग...जब सारे चुनाव होते हैं एक साथ तो फिर जिला व जनपद के अध्यक्ष उपाध्यक्ष का चुनाव अलग-अलग क्यों ?

एमसीबी जिला पंचायत में भाजपा का अध्यक्ष तो कांग्रेस का उपाध्यक्ष हुआ निर्वाचित...उपाध्यक्ष का परिणाम भाजपा जिलाध्यक्ष के अनुसार पार्टी के पक्ष में नहीं आया तो बंद किया उन्होंने कार्यालय का ताला

भाजपा का एमसी जिला पंचायत अध्यक्ष पद पर कब्जा यशवंती सिंह बनी नवीन जिला पंचायत एमसीबी की प्रथम अध्यक्ष

क्या अध्यक्ष व उपाध्यक्ष के अलग-अलग चुनाव से प्रभावित नही होता है परिणाम ?,क्या भाजपा एमसीबी जिलाध्यक्ष नहीं सह पाई जिला पंचायत उपाध्यक्ष पद की हार ?

उपाध्यक्ष बनाकर खुशी में कांग्रेसी

कांग्रेस का उपाध्यक्ष निर्वाचित होते हैं कांग्रेस ने मनाया जश्न और पूर्व विधायक सहित जिला अध्यक्ष ने दिया

बहुमत न मिलने के बाद भी कांग्रेस ने भाजपा से छीन उपाध्यक्ष और अपने समर्थित प्रत्याशी को बनाया एमसी का प्रथम जिला पंचायत उपाध्यक्ष

-रवि सिंह-
एमसीबी,11 मार्च 2025
(घटती-घटना)।

त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव क्या-क्या दिखाएगा और क्या-क्या कराएगा? त्रीस्तरीय पंचायत चुनाव कि यदि बात की जाए तो कई मायने में यह सुर्खियों में रहा, जहां गड़बड़ियों के आरोप लगे तो कहीं पर निर्वाचन प्रक्रिया में कमी देखी गई, ऐसा लग रहा था कि त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव सत्ता के गोद पर बैठकर हो रहा हो। सत्ता की गोद में बैठने के बाद भी कई जगहों पर परिणाम उनके खिलाफ है,त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में एक और कमी इस बार सभी को खली वह कमी थी जिला पंचायत में अध्यक्ष उपाध्यक्ष व जनपद में अध्यक्ष उपाध्यक्ष का एक साथ चुनाव न होना, दोनों चुनाव हुए एक ही दिन पर समय था अलग-अलग और परिणाम अलग-अलग आए जिस वजह से उपाध्यक्ष पद पर प्रभाव देखने को मिला। अध्यक्ष पद का चुनाव पहले होने की वजह से उपाध्यक्ष का चुनाव प्रभावित हुआ और परिणाम में उलट फेर देखने को मिला, कुछ ऐसा ही त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव एमसीबी जिले के जिला पंचायत अध्यक्ष उपाध्यक्ष के चुनाव के बाद यह आरोप सत्तापक्ष की जिलाध्यक्ष के द्वारा लगाया गया...जबकि ऐसा शुरू से ही दिखा, सभी जिलों के अध्यक्ष उपाध्यक्ष चुनाव में देखने को मिला पर किसी ने भी इसका विरोध नहीं किया पहली बार इसका विरोध एमसीबी जिले की भाजपा की जिलाध्यक्ष के द्वारा किया गया, क्योंकि उपाध्यक्ष का चुनाव उन्हें इसी प्रक्रिया में हारना पड़ा, जिसकी तिलमिलाहट में उन्होंने गेट पर ताला ही निर्वाचन कार्यालय में बंद कर दिया। पर कहीं ना कहीं इनका आरोप भी यह सही है क्योंकि अध्यक्ष उपाध्यक्ष का अलग-अलग चुनाव होने से निष्पक्षता कहीं न कहीं प्रभावित हुई है।

ज्ञात हो कि नवीन जिला एमसीबी में पहली बार जिला पंचायत का चुनाव संपन्न हुआ, इस चुनाव में जहां भाजपा ने 6 सदस्य जीताकर लाए वहीं कांग्रेस ने तीन सदस्य जीताकर आए वही एक सीट गोंडवाना के खाते में गया, भाजपा 6 सदस्य जीत कर जिला पंचायत अध्यक्ष व उपाध्यक्ष बनाने के लिए पूर्ण बहुमत में थी पर इसके बावजूद भाजपा अध्यक्ष बनने में सफल हुई और उपाध्यक्ष बनने में असफल हो गई, जबकि भाजपा समर्थित सदस्य ने अपनी पार्टी को धोखा दिया यह तो अब समीक्षा की बात है, पर यह जरूर है कि भाजपा के एक समर्थित व्यक्ति ने धोखा देकर अध्यक्ष चुनाव को टाई हो गया और यह चुनाव चिट के द्वारा भाजपा किस्मत से जीत गई। इसके बाद भाजपा की एमसीबी जिलाध्यक्ष चंपा देवी पावले ने इस चुनावी प्रक्रिया का विरोध किया और कहा कि अलग-अलग चुनाव नहीं होना चाहिए था जिस वजह से उन्होंने गुस्से में कार्यालय के गेट पर ताला लगा दिया जिसे कांग्रेसियों ने असवैधानिक बताते हुए उन पर कार्यवाही करने की मांग की।

कांग्रेस से राजेश साहू बने एमसीबी के प्रथम जिला पंचायत उपाध्यक्ष

जिला पंचायत उपाध्यक्ष का पद राजेश साहू के खाते में गया। राजेश साहू पूर्व विधायक गुलाब कमरों के खास माने जाते हैं वहीं वह खुद अपना व्यापक जनाधार रखते हैं। राजेश साहू का परिणाम 6 मतों से विजई निकलकर आया और यही वजह हुई भाजपा नेताओं की नाराजगी की।

कांग्रेस के जिलाध्यक्ष अशोक श्रीवास्तव सूझबूझ के साथ उपाध्यक्ष बनाने के इरादे से अंतिम प्रयास करते रहे जिसमें उन्हें उपाध्यक्ष बनाने में मिली सफलता

कांग्रेस जिलाध्यक्ष को उपाध्यक्ष बनाने के लिए सबसे ज्यादा प्रयास करते देखा गया। अशोक श्रीवास्तव ने अंतिम समय तक सुझबुझ का परिचय दिया और अंतिम समय में क्रॉस वोटिंग वह करा ले गए और उपाध्यक्ष का पद कांग्रेस की झोली में चला गया। कुल मिलाकर अशोक श्रीवास्तव और राजेश साहू के संयुक्त प्रयास से ही उपाध्यक्ष पद भाजपा से छीन सकी कांग्रेस।

कांग्रेस कोरिया के जिलाध्यक्ष से ज्यादा मेहनती और पार्टी के लिए समर्पित जिलाध्यक्ष साबित हुए एमसीबी जिलाध्यक्ष अशोक श्रीवास्तव

एमसीबी कांग्रेस जिलाध्यक्ष अशोक श्रीवास्तव एंड टीम की अचूक रणनीति के सामने भाजपा हुई धराशाई, अशोक श्रीवास्तव ताकतवर नेता बन कर उभरे, उनके कुशल नेतृत्व के सामने सत्ताबल तथा धनबल हुए नाकाम, जिला पंचायत मनेंद्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर के अध्यक्ष चुनाव में कांग्रेस के 3 सदस्य होने के बावजूदब 6 सदस्य वाली भाजपा ने अपना प्रत्याशी श्रीमती यशवंती सिंह को बनाया और कांग्रेस ने श्रीमती प्रिया सिंह को अपना प्रत्याशी बनाया,वोटिंग के बाद श्रीमती प्रिया सिंह को 5 और श्रीमती यशवंती सिंह को भी 5 मत मिले और परिणाम बराबर पर टाई हो गया, तब टॉस के माध्यम से अध्यक्ष का चुटका निकाला गया और भाग्य ने प्रिया सिंह का साथ नहीं दिया और अध्यक्ष यशवंती सिंह बन गई, अध्यक्ष पद के लिए भी दोनों कांग्रेस बीजेपी प्रत्याशियों को बराबर मत मिले, कहीं ना कहीं यहां पर भी क्रॉस वोटिंग देखने को मिली, वहीं उपाध्यक्ष के चुनाव में कांग्रेस के प्रत्याशी राजेश साहू ने 6 मत पा के उपाध्यक्ष बने, भाजपा के उपाध्यक्ष प्रत्याशी को हारना पड़ा, ऐसा इसलिए संभव हो पाया क्योंकि कोरिया के तरह एमसीबी के जिलाध्यक्ष अशोक श्रीवास्तव हार नहीं माने और वह मैदान में डटे रहे जिसका परिणाम यह था कि अध्यक्ष से लेकर उपाध्यक्ष चुनाव तक में उन्होंने खूब फाइट की आसानी से ना तो अध्यक्ष पद भाजपा के पास जाने दिया और ना ही उपाध्यक्ष पद, अध्यक्ष पद पर तो भाजपा ने किस्मत से जीत दर्ज की तो वहीं उपाध्यक्ष पद पर भाजपा को हारना पड़ा। अंतिम दम तक मैदान पर डटे रहने व अपने जुझारपन से लड़ने वाले अशोक श्रीवास्तव को सफलता मिली।

जिला पंचायत अध्यक्ष उपाध्यक्ष चुनाव में कांग्रेस भाजपा को वाक ओवर दे चुकी थी...वहीं एमसीबी में परिणाम कांग्रेस के पक्ष में ना आने के बाद भी जिलाध्यक्ष बना ले गए उपाध्यक्ष

कोरिया जिले और कोरिया से अलग होकर बने एमसीबी जिले की बात करें तो दोनों के जिला पंचायत चुनाव का नजारा खासकर अध्यक्ष उपाध्यक्ष चुनाव का नजारा बिल्कुल अलग था। कोरिया में जहां कांग्रेस भाजपा को पहले ही वॉकओवर देकर बैठ गई थी वहीं एमसीबी जिले के कांग्रेस जिलाध्यक्ष परिणाम सदस्य संख्या अनुसार पक्ष में नहीं होने उपरांत भी लगे रहे और उन्होंने अध्यक्ष उपाध्यक्ष दोनों चुनाव को भाजपा के लिए मुश्किल वाला बना दिया। अध्यक्ष जहां बहुमत के बावजूद भाजपा को केवल किस्मत के भरोसे मिला वहीं उपाध्यक्ष पद पर एकतरफा कांग्रेस जीत गई। कुल मिलाकर कोरिया के कांग्रेस जिलाध्यक्ष को बहुत कुछ सीखने की जरूरत है वैसे खुद वह अपनी जमानत चुनाव में नहीं बचा सके हैं और ऐसे में उनसे ज्यादा उम्मीद बेकार है। वैसे वह प्रतिनिधि बतौर सांसद ही कारगर रहे हैं अन्य मामले में नहीं है।

भाजपा से रवि शंकर की पत्नी बनी यशवंती सिंह एमसीबी की प्रथम जिला पंचायत अध्यक्ष

भाजपा से अध्यक्ष पद पर रवि शंकर सिंह की पत्नी अध्यक्ष निर्वाचित हुई। प्रथम अध्यक्ष का गौरव मिलने पर उन्हें बधाईयों का तांता लग गया। बता दें कि यशवंती सिंह भरतपुर क्षेत्र से चुनाव जीतकर आई हैं और वह प्रथम अध्यक्ष नए जिले की बनी हैं।

उपाध्यक्ष पद पर मिली हार के बाद भाजपा जिलाध्यक्ष ने किया विरोध प्रदर्शन

उपाध्यक्ष हारने के बाद भाजपा जिलाध्यक्ष ने कार्यालय में लगाया ताला

उपाध्यक्ष बनने के बाद एकजुट कांग्रेसी, एक कांग्रेसी ने किया पोस्ट और कहा कि बहुमत के बाद भी भाजपा उपाध्यक्ष नहीं बन पाई...

चिरमिरी में लगातार स्वास्थ्य सुविधाओं में उत्तरोत्तर वृद्धि, चिरमिरी के 40 वार्डों में दौड़ रही है दो मोबाइल यूनिट बस

मुख्यमंत्री शहरी स्लम स्वास्थ्य योजना से लोगों को मिल रहा है लाभ,मोबाईल मेडिकल यूनिट बस से लोगों को मिल रही घर पहुंच सेवा

-संवाददाता-
एमसीबी,11 मार्च 2025
(घटती-घटना)।

जरूरतमंद व गरीब तबके के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने राज्य सरकार के द्वारा मुख्यमंत्री शहरी स्लम स्वास्थ्य योजना की शुरुआत की गई है। इसके लिए नगर पालिक निगम चिरमिरी क्षेत्र के पूरे 40 वार्डों के लिए 02 मोबाईल मेडिकल यूनिट बस संचालित है। क्षेत्र के लोगों के द्वार तक पहुंचने वाली मोबाईल मेडिकल यूनिट वाली बसें स्वयं में एक अस्पताल है। जिसमें मेडिकल स्टाफ, मेडिकल उपकरण सहित मरीजों के लिए आवश्यक सुविधाएं व निःशुल्क दवा उपलब्ध है। इसी क्रम में सोमवार को नगर पालिक निगम चिरमिरी के अंतर्गत वार्ड क्रमांक- 01 पोड़ी, एवं वार्ड क्रमांक- 38 डोमनहिल फुटबॉल ग्राउण्ड के पीछे कैंप लगाया गया। पोड़ी में 30 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण व 10 मरीजों का लैब टेस्ट किया गया, वहीं सभी जांच कराने वाले मरीजों को निःशुल्क दवा का भी वितरण किया गया। आपको बता दे कि छत्तीसगढ़ सरकार स्वास्थ्य सुविधाओं में लगातार बढ़ोत्तरी कर रही है, जिसके लिए आमजनों को स्वास्थ्य की जांच हेतु घर पहुंच सेवा मोबाईल मेडिकल युनिट बस की शुरूआत की गई है। जिसमें 42 प्रकार के स्वास्थ्य की जांच की जाती है। जिसमें मुख्य रूप से सी.पी.सी. मशीन से जांच, एल.एफ.टी., थायराइड, विटामिन बी-12, विटामिन डी-03, यूरिक एसिड जैसे अन्य कई प्रकार के जांच कर लोगों का घर पहुंच स्वास्थ्य सुविधाएं सरकार के द्वारा दिया जा रहा है। इस दौरान डॉ. किरण किशोर, डॉ. सुमन पाण्डेय, ए.एन.एम. सुनिता कारफारमा, लैब टेक्नीशियन सुशील यादव, फार्मासिस्ट नैन्सी, सुभाष, रोशन सिंह, लैब टेक्नीशियन अलमा एक्का व अन्य स्टाफ मौजूद रहे।

भूपेश बघेल की लोकप्रियता से घबरा गई है भाजपा:शाहिद

-संवाददाता-
चिरमिरी,11 मार्च 2025
(घटती-घटना)।

जिला कांग्रेस कमेटी मनेंद्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर के उपाध्यक्ष शाहिद महमूद ने विगत दिवस भूपेश बघेल के घर ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) के छापे पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुवे कहा कि छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री और अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव भूपेश बघेल के बढ़ते कद और उनकी लोकप्रियता से घबरा कर भाजपा केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग कर षडयंत्रपूर्वक विपक्ष को डराने का प्रयास कर रही है,लेकिन कांग्रेस इन सब चीजों से डरने वाली नहीं है,भूपेश बघेल छत्तीसगढ़ की आवाज है और कांग्रेस का हर एक कार्यकर्ता उनके साथ है,छत्तीसगढ़ की भाजपा सरकार अपने सवा साल के कार्यकाल में जनता से किए वादों को पूरा नहीं कर पा रही है,हर मोर्चे पर सरकार फेल है,और सदन में विपक्ष की आक्रामकता का जवाब भाजपा नहीं दे पा रही है,पंजाब राज्य के प्रभारी के रूप में भी भूपेश बघेल ने वहां कांग्रेस में जान फूंक दी है इस वजह से भूपेश बघेल की बढ़ती लोकप्रियता से भाजपा घबरा गई है, और यह पूरी रेड कार्रवाई बीजेपी की रणनीति का एक हिस्सा है, ताकि उनकी छवि को नुकसान पहुँचाया जा सके। बावजूद इसके कांग्रेस इनसे डरने वाली नहीं है और जनता के हित से जुड़े मुद्दों को कांग्रेस प्रबल रूप से उठाते रहेगी।

सीसीटीवी कैमरा शिक्षकों की गतिविधियों की निगरानी के लिए लगा है या फिर आत्मानंद विद्यालय की प्रभारी प्राचार्य व व्याख्याता शिक्षक को शिक्षिकाओं को निहारने के लिए ?

आत्मानंद विद्यालय के समस्त स्टाफ व शिक्षकों ने कलेक्टर एसपी सहित विभाग के उच्च अधिकारियों को...की शिकायत,लगाए गंभीर आरोप

क्या स्कूल के प्राचार्य व व्याख्याता शिक्षक को मिला हुआ है जिला शिक्षा अधिकारी व संयुक्त संचालक शिक्षा अधिकारी का संरक्षण ?

सीसीटीवी का उपयोग क्या प्राचार्य व व्याख्याता टीचर अपने नयन सुख के लिए लगाए हैं ?

नियमित शिक्षकों व संविदा वाले शिक्षकों में भेदभाव क्यों ?

प्राचार्य के पास एक अच्छी टीम होने के बाद भी भेदभाव में शिक्षा व्यवस्था को करवा रहे हैं चौपट ?

बिना समझाए हमें बेवकूफ कहा जाता है...

हमारे साथी विज्ञान शिक्षिका को ऑफिस कार्य हेतु रखा गया है तथा उन्हें विज्ञान पढ़ाने मिडिल की कक्षाओं में नहीं भेजा जाता है। इससे हमारे विद्यालय का परीक्षा परिणाम खराब हो रहा है। महोदय इस पूरे सत्र के विभिन्न परीक्षाओं के परिणाम का अवलोकन कर इसकी पुष्टि की जा सकती है। एकीकृत परीक्षा पांचवी तथा आठवीं का नॉमिनल रोल तैयार करने हेतु हमें कोई निर्देश नहीं दिया गया था। गलती होने पर बिना समझाए हमें बेवकूफ कहा जाता है और परेशान किया जाता है। नॉमिनल रोल 25 फरवरी तक (प्राइमरी केशवपुर दोनों माध्यम) का संबंधित कार्यालय में जमा नहीं हुआ था। जिस पर विलंब का दोषी हमें बताकर प्रताड़ित किया जा रहा है जबकि हमारे द्वारा एक दिन में तैयार कर कार्यालय प्राचार्य को सौंप दिया गया था। जिला शिक्षा अधिकारी के निर्देश पर यदि हम किसी कार्यक्रम या प्रतियोगिता में बच्चों के साथ शामिल होते हैं तो भी यात्रा देयको का भुगतान नहीं दिया जाता है जबकि पत्र में इसका प्रावधान लिखा होता है। पूर्व दो वर्षों से प्राचार्य के अड़ियल रवैये के कारण हमारे द्वारा क्लेम किया यात्रा देयक आज दिनांक लंबित है। कार्यालय प्राचार्य द्वारा हमें आर्थिक नुकसान पहुंचाने का लगातार प्रयास किया जाता है। केशवपुर में एमडीएम में बच्चों को उपस्थित बढ़ाकर भेजी जाती है तथा शिक्षक जिनकी ड्यूटी भोजन चेक करने तथा स्वाद परिक्षण पंजी में इंट्री में लगाई जाती है के साथ एक अभिभावक की ड्यूटी भी अनिवार्य है। जबकि कभी किसी भी अभिवावक को भोजन का स्वाद लेने नहीं बुलाया जाता है। इसके अतिरिक्त बच्चों का भोजन और ऑफिस स्टाफ का भोजन अलग बनता है जो प्राचार्य एवं ऑफिस स्टाफ अपने कमरे में बैठकर भोजन करते हैं। बच्चों के साथ ना तो सफाई का ध्यान दिया जाता है ना ही बच्चों का बना भोजन कभी प्राचार्य द्वारा परीक्षण किया जाता है। महोदय संधारित पंजी एवं बच्चो के उपस्थिति पंजी से मिलान कर इसकी पुष्टि की जा सकती है।

प्राचार्य की बातों को जिला शिक्षा अधिकारी व संयुक्त संचालक शिक्षक सरगुजा मानते हैं सत्य बाकी स्टाफ की बातें उन्हें लगती है असत्य क्यों ?

क्या नियमित शिक्षक नहीं है तो संविदालय शिक्षकों का नहीं है कोई इज्जत व मान सम्मान क्या उन्हें डरा कर नौकरी से निकलने की बात कह कर प्रताड़ित करेंगे प्राचार्य ?

प्राचार्य-संतोष साहू

-भूपेन्द्र सिंह-

अंबिकापुर,11 मार्च 2025 (घटती-घटना)।

कांग्रेस शासन काल में स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी विद्यालय अंबिकापुर के केशवपुर में संचालित होना शुरू हुआ था,जहां बेहतर शिक्षा की कल्पना के साथ इस स्कूल का शुभारंभ किया गया पर आज भाजपा सरकार में इस स्कूल में पदस्थ संविदा कर्मचारी अपने परेशानियां को लेकर सरगुजा कलेक्टर से शिकायत कर कई गंभीर आरोप अपने प्राचार्य व व्याख्याता शिक्षक के विरुद्ध लगाए हैं,जो कहीं ना कहीं उनकी कर प्रणाली को लेकर बड़ा सवाल है वही जिला शिक्षा अधिकारी व शिक्षा संयुक्त संचालक ऐसे प्राचार्य व व्याख्याता पर मेहरबान है, जिस वजह से उन्हें अपने ही कर्मचारी व आत्मानंद विद्यालय के स्टाफ व कर्मचारियों के बातों पर विश्वास नहीं सिर्फ उन्हें विश्वास है तो अपने समाज के व्याख्याता शिक्षक व प्रभारी प्राचार्य की बातों का, कर्मचारियों ने जो आरोप लगाया है वह आप काफी गंभीर है और अपराध की श्रेणी के आरोप है,पर क्या इस पर कार्यवाही होगी यह भी बड़ा सवाल है,क्योंकि संविदा शिक्षकों को अभी से ही यह कह कर डराया जा रहा है की नेतागिरी मत करो नहीं तो नौकरी से हाथ धौ बैठोगे। जिस प्रकार से शिक्षक व संविदा स्टाफ ने आरोप लगाए हैं यह आरोप काफी गंभीर है इस आरोप में उन्होंने बताया है कि प्रभारी प्राचार्य व व्याख्याता शिक्षक की नियत को गलत बताते हुए कहा कि सीसीटीवी कैमरा की निगरानी में खुद प्राचार्य व व्याख्याता शिक्षक नहीं रहते हैं पर बाकी शिक्षकों के निगरानी के लिए लगे कैमरे का उपयोग गलत नीयत से लगाया गया है,सीसीटीवी से शिक्षिकाओं का फोटो सीसीटीवी से लेकर शिक्षक के मोबाइल पर भेजा जाता है और उसे धमकाया व टारगेट किया जाता है अब ऐसे गंभीर आरोप कानूनी दृष्टिकोण से अपराधिकृत माने जा रहे हैं पर क्या अपराध दर्ज होंगे यह भी सवाल है। शिकायत में लिखा की हम सब संविदा कर्मचारी स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी विद्यालय केशवपुर में पदस्थ हैं। हम सबके साथ हमारे प्रभारी प्राचार्य संतोष कुमार साहू तथा व्याख्याता अनिल त्रिपाठी द्वारा नियमित रूप से परेशान किया जा रहा है। हम मानसिक शारीरिक एवं आर्थिक रूप से नियमित प्रताड़ित हो रहे हैं। कार्यालय प्राचार्य द्वारा हमें नौकरी से निकालने जैसी धमकी दी जाती है तथा उच्च अधिकारियों तक बात पहुंचाने की बात करने पर संविदा रद्द कराने की धमकी दी जाती है। संविदा कर्मचारियों ने 28 बिंदु व चार पन्ने की शिकायत पत्र

प्र0प्राचार्य-अनिल त्रिपाठी

कलेक्टर सरगुजा को सौंपा है जिस में प्रभारी प्राचार्य व व्याख्याता शिक्षक से त्रस्त होकर स्वामी आत्मानंद विद्यालय केशवपुर अंबिकापुर के संविदा स्टॉफ ने जो चार पन्ने का शिकायत 28 बिंदुओं पर दिया है वह काफी चौंकाने वाले शिकायत है और कहीं न कहीं प्राचार्य व व्याख्याता शिक्षक की तानाशाही को भी उजागर करने की कोशिश हुई है अपनी नौकरी की परवाह किए बिना, इस बार उन्होंने हिम्मत जुटकर यह शिकायत की है यदि शिकायतों पर गौर किया जाए तो यह शिकायत किसी क्राइम पेट्रोल जैसे सीन से काम भी नहीं है।

स्वामी आत्मानंद में गलत एडमिशन की प्रक्रिया चल रही है...

विद्यालय में कंप्यूटर लैब है लेकिन ना तो बच्चों को कंप्यूटर का अभ्यास कराया जाता है ना इनका उपयोग करने दिया जाता है। कंप्यूटर लैब में सदैव ताला लगा रहता है जिसकी चाभी प्राचार्य संतोष साहू अपने पास रखते हैं। शासन द्वारा सभी कक्षाओं में प्रोजेक्टर लगाया गया है ताकि ऑडियो विजुअल पढ़ाई हो सके। जिनमें से कुछ खराब हो गए है। विगत कई माह से नियमित शिकायत करने पर भी प्राचार्य द्वारा इस पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है जिससे बच्चों की पढ़ाई बाधित हो रही है। यह ध्यान दिलाना आवश्यक है स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी विद्यालय में एमडीएम (मध्यान भोजन) में बच्चों की कम उपस्थित होने पर भी उसे बढा कर भेजा जाता है और अंतर की राशि संबंधित समूह से मांगी जाती है। दो वर्षों से स्वामी आत्मानंद में गलत एडमिशन की प्रक्रिया चल रही है कक्षा एक में बिना फॉर्म के बच्चों का एडमिशन लिया गया है, विरोध करने पर कहा जाता है कि वरिष्ठ अधिकारियों का निर्देश है। इसके अतिरिक्त विज्ञापन में जिन कक्षाओं में सीट रिक्त नहीं दिखाई गयी थी उनमे भी सीट छुपा कर रखी गयी थी और बाद में बिना प्रक्रिया पूरी किये हिंदी माध्यम से आये बच्चों को अंग्रेजी माध्यम में प्रवेश दिया गया है। यह शासन द्वारा निर्धारित नियमों की सरासर अवहेलना है।

संविदा कर्मचारियों ने 28 बिंदु व चार पन्ने का शिकायत पत्र के आरोप

स्तनपान कराने वाले शिक्षिका को नहीं मिलती है छुट्टी-हमारी महिला शिक्षिका (स्तनपान करने वाली साथी) को उनके बच्चे को स्कूल साथ में लाने की अनुमति है,लेकिन बच्चों को स्तनपान कराने हेतु विशेष ब्रेक नहीं दिया जाता है। ऐसे स्तनपान कराने वाले शिक्षिका का वेतन लगातार काटकर भुगतान किया गया है। स्टाफ रूम में बैठे होने पर कम उम्र की शिक्षिकाओं पर कैमरा जूम कर/फोकस कर उन्हें टॉर्चर किया जाता है। स्कूल प्रबंधन द्वारा लगाए गए सीसीटीवी कैमरे का प्रभारी प्राचार्य एवं अनिल त्रिपाठी द्वारा दुरुपयोग किया जाता है। इससे हमारी नियमित स्टॉकिंग की जाती है। स्टाफ रूम में बैठे होने पर कम उम्र की शिक्षिकाओं पर कैमरा जूम कर/फोकस कर उन्हें टॉर्चर किया जाता है,इसकी जांच कराई जाए। प्राचार्य द्वारा सीसीटीवी से फोटो लेकर हमें विशेष कर एक दो शिक्षिकाओं को टारगेट कर धमकाया जाता है तथा पुरुष शिक्षक के मोबाइल में फोटो भेजा जाता है। इस तरह की घटना को पूरे सत्र भर हम झेल रहे हैं। हमें लगता है कि यह कैंपस अब हमारे लिए सुरक्षित नहीं है। सीसीटीवी से हमें कोई परेशानी नहीं है लेकिन इस तरह की घटनाएं हमें मानसिक और शारीरिक कष्ट देती हैं। फोटो और वीडियो बिना हमारे परमिशन के सीसीटीवी कैमरे के माध्यम से लिया जाता है और बाद में उसे ग्रुप में डालकर हमारा मजाक उड़ाया जाता है। हमारी एक महिला साथी की स्कूटी से दुर्घटना होने पर उन्हें शरीर में चोट आयी थी। अनिल त्रिपाठी द्वारा चोटिल हिस्से के फोटोग्राप्स की मांग की गयी थी। इस तरह की हरकतें हम निरन्तर झेलते आ रहे है। यह कार्य विगत डेढ़ साल से चल रहा है अब यह बर्दाश्त से बाहर होते चला जा रहा है।

एक निश्चित ड्रेस कोड (साड़ी) में आना अनिवार्य किया जाता

यहां यह ध्यान दिलाना आवश्यक है कि छत्तीसगढ़ के किसी भी शासकीय विद्यालय में ड्रेस कोड लागू नहीं है,लेकिन हमें एक निश्चित ड्रेस कोड (साड़ी) में आना अनिवार्य किया जाता है। हमारे द्वारा सौम्य एवं मौसम अनुकूल परिधान पहनने की अनुमति मांगने पर तानाशाही रवैया अपनाया जाता है। ज्ञात हो कि स्टाफ रूम कॉमन है जिसमें हमारे साथ पुरुष शिक्षक भी बैठते हैं। हमारे कपड़े अव्यवस्थित होने पर हमें उनके सामने तथा सीसीटीवी के स्टॉकिंग के साथ रहना पड़ता है। यह बहुत ही असहज स्थिति है।

बालकों के बाथरूम में सीसीटीवी कैमरा लगाया गया है...

बालकों के बाथरूम में सीसीटीवी कैमरा लगाया गया है तथा प्राचार्य एवं ऑफिस स्टाफ द्वारा अपने मोबाइल से लगातार अवलोकन किया जाता है। इसकी जानकारी बालकों ने अपनी अभिवावकों को दी है। यह बालकों के निजता का हनन है।

जानबूझकर वेतन बिल को विलंब किया जाता है...

आपके द्वारा समय पूर्व वेतन की राशि का अंतरण प्राचार्य के खाते में कर दिया जाता है। ऑफिस में वेतन का बिल अनिल त्रिपाठी द्वारा बनाया जाता है। वह जानबूझकर वेतन बिल को विलंब से डीईओ कार्यालय में भेजते हैं ताकि वेतन हमें विलंब से मिले। हमें वेतन अक्सर माह के द्वितीय सप्ताह तक प्राप्त होता है, जिसके कारण हमारी बैंक के ईएमआई बाउंस हो रही है और क्रेडिट रेटिंग पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। हमें बैंक को अतिरिक्त शुल्क तथा जुर्माने का भुगतान करना पड़ रहा है। जबकि महोदय हमारे द्वारा कार्य में कोई विलंब या लापरवाही नहीं किया जाता है। द्वेषपूर्ण किए गए इस कार्य से हमें मानसिक एवं आर्थिक हानि का सामना करना पड़ रहा है। हम इस विलम्ब की लगातार मौखिक सूचना देते रहे हैं पर प्राचार्य द्वारा कोई सुधार कार्य नहीं किया जाता है तथा जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय अंबिकापुर द्वारा विलंब करने की बात कही जाती है। वेतन में विलंब होने पर जब हम कोई मौखिक शिकायत प्राचार्य से करते हैं तो ऑफिस स्टाफ द्वारा नौकरी से निकलवाने की धमकी दी जाती है।

अनैतिक तरीके से रास्ता रोककर (ऑफिस में) बात किया जाता है...

हमारी एक महिला शिक्षिका को अनिल त्रिपाठी द्वारा अनैतिक तरीके से रास्ता रोककर (ऑफिस में) बात किया जाता है जिससे वे कार्यालय जाने में असहज रहती हैं लेकिन उन्हें बार-बार प्राचार्य कक्ष में बुलाया जाता है। प्राचार्य को बताने पर कोई एक्शन नहीं लिया जाता है उल्टा हमें वेतन रोकने की धमकी दी जाती है। महोदय न्याय नहीं मिलने पर हम इस घटना को उच्च अधिकारिओं को देने हेतु बाध्य होंगे। कृपया हम महिलाओं की सुरक्षा हेतु आवश्यक कार्यवाही करने का कष्ट करेंगे।

अनिल त्रिपाठी हिंदी माध्यम में गणित के व्याख्याता है वह अपनी कक्षा नियमित नहीं लेते हैं...

अनिल त्रिपाठी हिंदी माध्यम में गणित के व्याख्याता है वह अपनी कक्षा नियमित नहीं लेते हैं। हिंदी माध्यम का समय प्रातः 7:30 से है वह अंग्रेजी माध्यम 11:00 बजे के समय पर आते हैं और देर तक विद्यालय परिसर में ऑफिस कार्य के नाम पर शिक्षकों को रोक कर रखते हैं। महोदय यह बताना भी जरूरी है की अंग्रेजी माध्यम में पिछले सत्र में ही व्याख्याता गणित (संविदा) की नियुक्ति कहीं और हो जाने के कारण पद रिक्त है। श्री त्रिपाठी द्वारा अंग्रेजी माध्यम के समय पर उपलब्ध रहने पर भी अंग्रेजी माध्यम के बच्चों को गणित नहीं पढाते है। इसके अतिरिक्त प्राचार्य संतोष साहू स्वयं भी गणित के व्याख्याता है लेकिन उनके द्वारा गणित की कक्षाएं कभी नहीं ली जाती हैं जबकि नियमानुसार प्राचार्य को भी दो कक्षाएं प्रतिदिन लेना आवश्यक है।

डिपार्चर ड्यूटी तथा मीटिंग के नाम पर हमें लगातार देर शाम तक जानबूझकर रोका जाता है...

डिपार्चर ड्यूटी तथा मीटिंग के नाम पर हमें लगातार देर शाम तक जानबूझकर रोका जाता है। पिछले शुक्रवार (28/02/2025) को भी मीटिंग के नाम पर सभी महिलाओं को शाम 06:45 तक रोका गया था। महोदय यह हमारे साथ जानबूझकर की गई ज्यादती है। महिला साथियों के द्वारा इस कृत्य पर आपत्ति करने पर प्राचार्य द्वारा नौकरी से निकलवाना, वेतन काटने, एलडब्लूपी करने और अनुपस्थित करने जैसी धमकी दी जाती है। महोदय प्राचार्य के इस कृत्य का हमारे निजी एवं पारिवारिक जीवन में भी बुरा असर पड़ रहा है। कृपया हमारे साथ न्याय करने का कष्ट करेंगे।

कंप्यूटर शिक्षिका की नियुक्ति है लेकिन उसे कार्यालय में रखा गया है

विद्यालय में कंप्यूटर शिक्षिका की नियुक्ति है लेकिन उसे कार्यालय में रखा गया है तथा उससे अध्यापन कार्य नहीं कराया जाता है। जबकि प्राचार्य एवं कंप्यूटर शिक्षिका द्वारा बच्चों पर दबाव बनाकर लैपटॉप तथा कंप्यूटर खरीदवाया गया है। आप बच्चों एवं अभिभावकों से इसकी जानकारी ले सकते हैं।

बच्चे भूखे परेशान होते रहते हैं

विद्यालय में गणित एवं विज्ञान क्लब की राशि प्रतिवर्ष आती है पर गणित और विज्ञान की शिक्षकों को इस क्लब की कोई जानकारी नहीं दी जाती है ना ही उन्हें शामिल किया जाता है जबकि गणित विज्ञान क्लब की राशि का निरंतर खर्च दिखाया जा रहा है। यह बात ध्यान में लाना आवश्यक है कि केंद्र सरकार द्वारा दी गयी इस राशि का उपयोग कहां किया जा रहा है यह जांच का विषय है। अनिल त्रिपाठी द्वारा हिंदी माध्यम के बच्चों को देर तक रोका जाता है। कई बार बच्चे सुबह 7-30 से आकर दोपहर 3-00 तक उनके इंतजार में बैठे रहते हैं कि वह गणित पढ़ाएंगे। लेकिन कई बार कक्षा कार्य देकर वे ऑफिस में बैठ जाते हैं। बच्चे भूखे परेशान होते रहते हैं। हिंदी माध्यम के शिक्षकों द्वारा आपत्ति किए जाने पर उन्हें भी उटपटांग बात कही जाती है। हमें लंच टाइम में भी लंच ड्यूटी करने के लिए बाधित किया जाता है और कहा जाता है कि जिस दिन जिसकी ड्यूटी है वह लंच नहीं करेगा। आप अपनी ड्यूटी कीजिए नहीं तो आपका वेतन रोक दिया जाएगा।

जिला शिक्षा अधिकारी एवं उच्च अधिकारियों के आदेश के अवहेलना की जाती

प्राचार्य सर द्वारा जिला शिक्षा अधिकारी एवं उच्च अधिकारियों के आदेश के अवहेलना की जाती। हमारी ड्यूटी उच्च कार्य में लगाए जाने पर कार्य हेतु नहीं जाने दिया जाता है, ताकि हमारी छवि उच्च अधिकारिओं के समक्ष ख़राब हो। इस कारण उच्च अधिकारी हमें डाँटते है, जबकि उन्हें वस्तुस्थिति की जानकारी नहीं होती कि हमारे साथ क्या होता है। इससे शासकीय कार्य में अवरोध होता है जिसके लिए हम बिल्कुल जिम्मेदार नहीं होते हैं। लेकिन प्राचार्य के इस कृत्य से हम कार्यस्थल पर हतोत्साहित होते हैं और मानसिक प्रताड़ना का शिकार होते हैं।

अशोक सिन्हा
जिला शिक्षा अधिकारी

शिकायत के बाद जिला शिक्षा अधिकारी ने जांच टीम को सौंपा जांच का जिम्मा

स्टाफ की शिकायत के बाद अंबिकापुर जिला शिक्षा अधिकारी ने जांच टीम गठित करके सारे बिंदुओं पर जांच करने का जिम्मा जांच टीम को सौंप दिया है और जल्द से जल्द जांच प्रतिवेदन मांगा गया है अब देखना यह है की जांच टीम जांच करके क्या देती है।

शासन के निर्देशों के विपरीत हमें आधा घंटा पूर्व विद्यालय बुलाया जाता है...

हमारे विद्यालय आने का समय 12:00 है और अवकाश होने का समय शाम 5:00 बजे है जो राज्य शासन एवं जिला शिक्षा अधिकारी के पत्र से से स्पष्ट होता है। शासन के निर्देशों के विपरीत हमें आधा घंटा पूर्व विद्यालय बुलाया जाता है, हमें 11:30 पर विद्यालय नहीं आने पर अनुपस्थित कर दिया जाता है। हमें शाम 5:00 बजे के बाद भी डिपार्चर ड्यूटी के नाम पर रोका जाता है और कई बार हमें बच्चों के साथ शाम 6 - 6:30 बजे तक रुकना पड़ता है, जबकि उस समय हमारे साथ अन्य कोई भी साथी नहीं होते हैं। चूँकि विद्यालय में बाउंड्रीवॉल नहीं है जिससे ग्रामीणों का एवं शराबियों का आना-जाना परिसर पर बना रहता है जिसे हम भयभीत रहते हैं इसकी सूचना थाना प्रभारी मणिपुर को लिखित में भी दी गयी है। अपरिहार्य कार्य के नाम से हमें लगातार देर शाम तक रोका गया तथा केंद्रीकृत कार्य करने के कारण किसी एक शिक्षक के कारण पूरे शिक्षकों को साथ देने के लिए रुकना पड़ता है आदरणीय देर शाम तक हमें रोका जाना हमें असहज स्थिति पर ले आता है। अपरिहार्य का कार्य नहीं करने और देर शाम तक नहीं रुकने की स्थिति में जिला शिक्षा अधिकारी का हवाला देकर वेतन रोकने की धमकी दी जाती है जिसकी जानकारी आदरणीय जिला शिक्षा अधिकारी को भी है। जिला शिक्षा अधिकारी को भी प्राचार्य द्वारा गलत जानकारी दे कर भ्रमित किया जाता है। हमारा कार्य विभाजन गलत किया जाता है। सबको समान कार्य नहीं दिया गया है ऑफिस में जो लोग रहते हैं उनको कम कक्षाएं दी जाती है और उनका सब्सिटूशन नहीं लगाया जाता है। हम में से कुछ लोगों को टारगेट करके सब्सिटूशन लगाया जाता है ताकि हम पूरे दिन लगातार कक्षा में खड़े रह कर पढाते रहें।

नियमित शिक्षकों को गर्मी छुट्टियां दी जाती है पर हमें नहीं

हमें छुट्टियां विशेष कर गर्मी की छुट्टियां हमें नहीं दी जाती हैं जबकि उसी विद्यालय के नियमित शिक्षकों को छुट्टियां दी जाती है। महोदय हमें प्राचार्य द्वारा पूरी गर्मी स्कूल लगाने और नियमित उपस्थिति की धमकी दी जाती है। कुछ विशेष कृपापात्र संविदा शिक्षकों को अतिरिक्त अवकाश की सुविधा दे कर उपकृत किया जाता है। हमारी छुटिया होने पर भी हमें आकस्मिक अवकाश न देकर वेतन काट दिया जाता है जबकी अन्य ऑफिस में रहने वाले शिक्षकों को ओ डी दिया जाता है। प्राचार्य को बार- बार अपनी परेशानी बताये जाने पर भी कोई कार्यवाही नहीं की जाती है वह अपने मित्र अनिल त्रिपाठी के कहे अनुसार चलते है, हमारी समस्या पर समाधान हेतु कभी कोई पहल नहीं की जाती है। गत दिनों हुवे दो मीटिंग में जो पिछले सप्ताह ही लगातार हुई है इसमें हमें देर शाम तक 06-45 तक रोका गया है, में स्पष्ट कहा गया है कि गर्मी की छुट्टियां नहीं दूंगा आपको जिसको जहां शिकायत करनी है कर लीजिए महोदय यदि नियमानुसार हमें गर्मी की छुट्टियों का प्रावधान नहीं है तो बात अलग है लेकिन जब नियमित शिक्षकों को गर्मी की छुट्टियां प्रदान की जाती है तो हमें क्यों नहीं?

आईसीसी करवाने जा रहा है... पाकिस्तान में एक और बड़ा टूर्नामेंट

6 टीमें लेंगी हिस्सा

लाहौर,11 मार्च 2025। भारत के खिताब जीतने के साथ ही चैंपियंस ट्रॉफी का समापन हो गया। भारत ने फाइनल में न्यूजीलैंड को 4 विकेट से शिकस्त दी और तीसरी बार खिताब पर कब्जा जमाया। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का आयोजन हाईब्रिड मॉडल में हुआ था। वैसे तो टूर्नामेंट की मेजबानी पाकिस्तान के पास थी लेकिन टीम इंडिया ने अपने सभी मैच दुबई में खेले। बतौर मेजबान पाकिस्तान टीम टूर्नामेंट में कुछ खास नहीं कर सकी और ग्रूप स्टेज से ही बाहर हो गई। पाकिस्तान को तब और बड़ा झटका लगा जब फाइनल का आयोजन लाहौर के बजाय दुबई में करना पड़ा क्योंकि पहले ही दोनों बोर्ड सहमत हो गए थे कि अगर टीम इंडिया फाइनल में पहुंचती है तो खिताबी मुकाबला लाहौर के बजाय दुबई में खेला जाएगा

पाकिस्तान मेजबानी के लिए तैयार

चैंपियंस ट्रॉफी के बाद अब पाकिस्तान आईसीसी के एक और टूर्नामेंट की आयोजन की तैयारी में जुट गई है। दरअसल, पाकिस्तान 6 टीमों के वूमेन्स आईसीसी वनडे क्रिकेट वर्ल्ड कप क्वालीफायर की मेजबानी करने जा रहा है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड इसकी पुष्टि कर चुका है। पीसीबी इस टूर्नामेंट की तारीखों और वेन्यू के लिये आईसीसी के संपर्क में है। टूर्नामेंट में 6 टीमें मेजबान पाकिस्तान, स्कॉटलैंड, आयरलैंड, बांग्लादेश, थाईलैंड और वेस्टइंडीज शिरकत करेंगी। पीसीबी के मुताबिक, टूर्नामेंट के मैच कराची, मुल्तान और फैसलाबाद में खेले जा सकते हैं क्योंकि पाकिस्तान सुपर लीग का दसवां सीजन यानी पीएसएल 2025 का भी 11 अप्रैल से आगाज हो रहा है।

भारत में खेला जाएगा आईसीसी वूमेन्स वर्ल्ड कप 2025

गौरतलब है कि आईसीसी वूमेन्स क्रिकेट वर्ल्ड कप क्वालीफायर 2025 के जरिए भारत में होने वाले 2025 महिला क्रिकेट वर्ल्ड कप के लिए आखिरी 2 टीमों का चयन होगा। यह टूर्नामेंट वूमेन्स क्रिकेट वर्ल्ड कप क्वालीफायर का छठा संस्करण होगा। भारत में इस साल खेले जाने वाले वर्ल्ड कप में कुल 8 टीमें शामिल होंगी। भारत मेजबान के तौर पर पहले ही वर्ल्ड कप का टिकट हासिल कर चुका है। बाकी की 5 टीमें आईसीसी महिला चैंपियनशिप 2022-2025 से तय हो चुकी हैं। इसमें ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, साउथ अफ्रीका, न्यूजीलैंड और श्रीलंका शामिल हैं। आईसीसी महिला चैंपियनशिप 2022-2025 में आखिरी 4 पायदान पर रहने वाली टीमें अब स्कॉटलैंड और थाईलैंड के साथ क्वालीफायर मुकाबले खेलेंगी।

टेस्ट क्रिकेट के 150 साल पूरे होने पर... एमसीजी में खेला जाएगा पिंक बॉल टेस्ट

मेलबर्न,11 मार्च 2025। क्रिकेट के सबसे पुराने फॉर्मेट यानी टेस्ट क्रिकेट के 150 साल पूरे होने जा रहे हैं। साल 2027 में टेस्ट क्रिकेट अपने 150 साल पूरे कर लेगा। इस खास मौके पर मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड में एक टेस्ट मैच खेला जाएगा। ये मुकाबला डे-नाइट टेस्ट होगा, जिसमें मेजबान ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड आमने-सामने होंगे। ये मुकाबला साल 2027 में 11 से 15 मार्च के बीच खेला जाएगा। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने ये जानकारी दी। ऑस्ट्रेलिया ने अब तक 13 पिंक बॉल टेस्ट मैच खेले हैं जिसमें से 12 मैच में उसने जीत हासिल की है। इनमें से 8 मैच एडिलेड में खेले गए हैं।

1877 में खेला गया था पहला टेस्ट

148 साल पहले ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच मेलबर्न में ही पहला टेस्ट मैच खेला गया था। साल 1877 में 15 से 19 मार्च के बीच खेले गए इस पहले टेस्ट मैच में ऑस्ट्रेलिया ने डेव ग्रेगरी की कप्तानी में इंग्लैंड को 45 रनों से हराया था। ऑस्ट्रेलिया को टेस्ट पहली जीत दिलाने में सलामी बल्लेबाज चार्ल्स बैनरमैन का अहम योगदान रहा था। उन्होंने 165 रनों की पारी खेली थी। बता दें, ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच साल 1977 में टेस्ट क्रिकेट के 100 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में भी एमसीजी पर टेस्ट मैच आयोजित किया गया था। दिलचस्प बात ये थी कि इस मैच में भी ऑस्ट्रेलिया ने 45 रनों से इंग्लैंड को शिकस्त दी थी। तब ऑस्ट्रेलिया टीम की कमान ग्रेग चैपल के हाथों में थी। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के मुख्य कार्यकारी टॉड ग्रीनबर्ग ने कहा कि एमसीजी में टेस्ट क्रिकेट की 150वीं वर्षगांठ के अवसर पर एक बड़े मैच का आयोजन किया जाएगा। इसका आयोजन फ्लड लाइट्स की रोशनी में होगा जो खेल की समृद्ध विरासत और टेस्ट क्रिकेट के आधुनिक विकास दोनों का जश्न मनाने का एक शानदार तरीका होगा। उन्होंने कहा कि इससे अधिक से अधिक फैंस की मौजूदगी सुनिश्चित करने में भी मदद मिलेगी।

ऑस्ट्रेलिया के लिए साल 2025 काफी अहम

ऑस्ट्रेलिया इस साल नवंबर में इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली 2025-26 एशेज सीरीज को लेकर बेहद उत्साहित है। इस बार एशेज की मेजबानी ऑस्ट्रेलिया करेगा। अब देखना दिलचस्प होगा कि दोनों में से कौन सी टीम बाजी मारती है। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया की टीम इस साल जून में लॉर्ड्स के ऐतिहासिक मैदान पर वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल मुकाबला खेलने उतरेगी। इस खिताबी मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया की साउथ अफ्रीका से भिड़ंत होगी। ऑस्ट्रेलिया की टीम कोशिश दूसरी बार डब्ल्यूटीसी का खिताब जीतने की होगी।

टी 20 आई सीरीज से बाहर हुईं 3 स्टार खिलाड़ी

न्यूजीलैंड,11 मार्च 2025। न्यूजीलैंड की महिला क्रिकेट टीम श्रीलंका की मेजबानी करने में व्यस्त है। 3 मैचों की वनडे सीरीज जीतने के बाद अब टी 20 आई सीरीज की बारी है। हालांकि इससे पहले ही न्यूजीलैंड की टीम को तगड़ा झटका लगा है। न्यूजीलैंड की 3 खिलाड़ी श्रीलंका के खिलाफ टी 20 आई सीरीज से बाहर हो गई हैं। इनमें विकेटकीपर-बल्लेबाज इसाबेला गेज, तेज गेंदबाज हेले जेनसन और बल्लेबाज बेला जेम्स शामिल हैं। तीनों खिलाड़ी श्रीलंका के खिलाफ टी 20 आई सीरीज में कीवी टीम का हिस्सा नहीं होंगी। न्यूजीलैंड की नियमित विकेटकीपर गेज वनडे सीरीज में सिर्फ बल्लेबाज के रूप में खेली थीं। श्रीलंका के खिलाफ तीसरे वनडे के दौरान फील्डिंग करते समय उनके बाएं कूल्हे में मोच आ गई थी। अब देखना होगा कि वह कब तक पूरी तरह से फिट होकर टीम में वापसी कर पाती हैं।

सामने आया खेल मंत्रालय का बड़ा फैसला

भारतीय कुश्ती महासंघ पर लगा निलंबन हटाया

नई दिल्ली,11 मार्च 2025। खेल मंत्रालय ने मंगलवार को भारतीय कुश्ती महासंघ पर लगा निलंबन हटा लिया है। इस फैसले के बाद घरेलू टूर्नामेंटों के आयोजन और अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों के लिए राष्ट्रीय टीमों के चयन का रास्ता साफ हो गया। बता दें, खेल मंत्रालय ने अंडर-15 (यू-15) और अंडर-20 (यू-20) राष्ट्रीय चैंपियनशिप की जल्दबाजी में घोषणा करने के लिए डब्ल्यूएफआई को 24 दिसंबर, 2023 को निलंबित कर दिया था।

संजय सिंह के नेतृत्व वाले पैनल ने 21 दिसंबर, 2023 को चुनाव जीते थे, लेकिन पूर्व डब्ल्यूएफआई प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह के गढ़ गोंडा के नंदिनी नगर में नेशनल चैंपियनशिप के लिए वेन्यू के चुनाव ने सरकार को नाराज कर दिया था। खेल मंत्रालय ने अपने आदेश में कहा कि डब्ल्यूएफआई ने सुधारात्मक उपाय किए हैं, इसलिए उसने निलंबन हटाने का फैसला किया है।

संजय सिंह 2023 में बने डब्ल्यूएफआई के नए प्रमुख

गौरतलब है कि सात महिला पहलवानों के कथित यौन उत्पीड़न के लिए निवर्तमान डब्ल्यूएफआई प्रमुख बृज भूषण शरण सिंह की गिरफ्तारी की मांग को लेकर जंतर-मंतर पर 2023 में विरोध प्रदर्शन करने वाले पहलवानों ने इस साल दिसंबर 2023 में महासंघ के पदाधिकारियों के चुनाव के लिए हुए चुनावों को रद्द करने और उन्हें अवैध घोषित करने के लिए उच्च न्यायालय का रुख किया था। बृजभूषण के वफादार संजय सिंह को 21 दिसंबर 2023 को हुए चुनावों में डब्ल्यूएफआई का नया प्रमुख चुना गया।

पिछले महीने भारतीय कुश्ती महासंघ का कार्यालय बदले जाने का ऐलान हुआ था। भारतीय कुश्ती महासंघ ने स्वीकार किया था कि उसका संचालन पूर्व प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह के आवास से किया जा रहा था लेकिन यह अस्थायी व्यवस्था है और अगले महीने कनॉट प्लेस में नये कार्यालय से काम शुरू हो जाएगा। डब्ल्यूएफआई को दिसंबर 2023 में खेल मंत्रालय द्वारा निलंबित कर दिया गया था लेकिन पूर्व प्रमुख और पांच बार के भाजपा सांसद बृज भूषण शरण सिंह के खिलाफ चल रहे उत्पीड़न के मुकदमे के बावजूद महासंघ का काम उनके 21, अशोक रोड स्थित घर से किया जा रहा था।

हरियाणा का सीनियर महिला राष्ट्रीय हॉकी के फाइनल में झारखंड से मुकाबला

पंचकूला,11 मार्च 2025। हॉकी हरियाणा और हॉकी झारखंड ने यहां 15वीं हॉकी इंडिया सीनियर महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप 2025 - डिवीजन ए में अपने-अपने रोमांचक सेमीफाइनल में विपरीत अंदाज में जीत हासिल की।डिवीजन ए के पहले सेमीफाइनल मैच में हॉकी हरियाणा ने हॉकी मिजोरम को 4-0 से हराया। सोनम (41), मोनिका (42), मनीषा (47) और कप्तान रानी (57) ने हॉकी मिजोरम के मजबूत डिफेंस के बाद एक-एक गोल करके बुधवार को अंतिम मुकाबले के लिए अपनी जगह पक्की की।डिवीजन ए के दूसरे सेमीफाइनल मैच में हॉकी महाराष्ट्र और हॉकी झारखंड दोनों ने अंतिम सीटी बजने तक एक-दूसरे को गोल करने से रोकने के लिए शानदार कौशल दिखाया और मैच 0-0 पर समाप्त हुआ।

इसके बाद टूर्नामेंट के अन्य फाइनलिस्ट का पता लगाने के लिए शूटआउट का सहारा लिया गया और हॉकी झारखंड ने करीबी मुकाबले में 3-2 (शूटआउट) से जीत हासिल की। हॉकी महाराष्ट्र के लिए काजल सदाशिव अटपडकर और प्रीति ने गोल किए, जबकि हॉकी झारखंड के लिए रजनी केरकेट्टा, कप्तान अलबेला रानी टोप्पो और शम्मी बारा ने गोल करके हॉकी हरियाणा के खिलाफ फाइनल में जगह पक्की की। बुधवार को हॉकी मिजोरम तीसरे-चौथे स्थान के लिए हॉकी महाराष्ट्र से खेलेगा, जबकि हॉकी हरियाणा फाइनल में हॉकी झारखंड से भिड़ेगा।

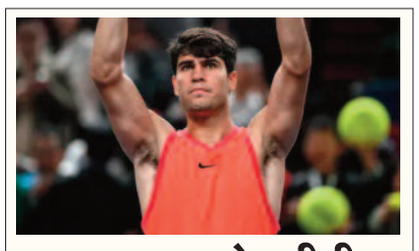

अल्काराज ने एटीपी मास्टर्स 1000 इवेंट में लगातार 14 वां मैच जीता

इंडियन वेल्स,11 मार्च 2025। कार्लोस अल्काराज ने एटीपी मास्टर्स 1000 इवेंट में अपना लगातार 14वां मैच जीता, जब उन्होंने मंगलवार (भारतीय समयानुसार) को इंडियन वेल्स ओपन के चौथे दौर में जगह बनाने के लिए डेनिस शापोवालोव को 6-2, 6-4 से हराया।दो बार के गत विजेता अल्काराज ने अपने 14 मैचों की जीत के क्रम में सिर्फ दो सेट गंवाए हैं। एटीपी स्टैट्स के अनुसार, उन्होंने अपने सामने आए चार ब्रेक पॉइंट में से तीन को बचाया और अपने आठ अवसरों में से चार को भुनाया।शापोवालोव ने इस सत्र में 10-4 के प्रभावशाली रिकॉर्ड के साथ टूर्नामेंट में प्रवेश किया, जिसमें फरवरी में डलास में अपना पहला एटीपी 500 खिताब जीतना भी शामिल है। फिर भी अल्काराज ने पूरी कमान संभाली और सिर्फ छह गेम हारकर 83 मिनट में कनाडाई खिलाड़ी को हराया।अल्काराज ने जल्द ही 5-0 की बढ़त ले ली। हालांकि शापोवालोव ने अपनी लय पाई , लेकिन हाल ही में डलास ओपन चैंपियन विजेता को कभी भी मुश्किल में नहीं डाल पाया और टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा वरीयता प्राप्त खिलाड़ी एक घंटे और 24 मिनट में आगे बढ़ गया।

पप्पी वाले कांड पर उदित नारायण ने कही ऐसी बात,सुनकर नहीं रुकेगी हंसी

दिग्गज गायक उदित नारायण बीते काफी दिनों से चर्चा में बने रहे हैं और इसकी वजह उनका एक वायरल विवादित वीडियो रहा है। अब आखिरकार अपने वायरल वीडियो को लेकर उठे विवाद पर उदित नारायण ने बात की है, जिसमें उन्हें एक कॉन्सर्ट में महिला प्रशंसकों को किस करते हुए देखा गया था। 69 वर्षीय गायक ने अपकमिंग फिल्म पिंटू की पप्पी के ट्रेलर लॉन्च में भाग लेने के दौरान इस घटना पर एक मजेदार टिप्पणी की। इस दौरान कोरियोग्राफर गणेश आचार्य भी वहां मौजूद थे। उदित ने फिल्म के शीर्षक के बारे में चुटकी लेते हुए अपने विवादित किस वीडियो पर बात की। उन्होंने मजाकिया अंदाज में खुलासा किया कि वो वीडियो हाल का नहीं है बल्कि दो साल पुराना है और न जाने कैसे अब वायरल हो गया। इसके आगे उन्होंने जो कुछ कहा वो सुनते ही वहां मौजूद हर शख्स खिलखिलाकर हंस पड़ा।

सिंगर ने कही ये बात

फिल्म के टाइटल के बारे में बात करते हुए उदित नारायण ने कहा, टाइटल तो चेंज कर देना चाहिए आपको...पप्पी तो ठीक है। बहुत खूबसूरत टाइटल है आपकी फिल्म का पिंटू की पप्पी और उदित की पप्पी तो नहीं? ये भी एक इत्तेफाक है कि अभी ही ये रिलीज होना थाज्मतलब म्यूजिक। वैसे 2 साल पहले का वीडियो है ऑस्ट्रेलिया का जो आप अभी देख रहे हैं। हां दो साल पुराना है। इस दौरान उदित नारायण हंसते रहे। उनके साथ ही वहां मौजूद सभी लोग हंसते रहे। अब इस वीडियो को देखने के बाद लोग मजेदार रिएक्शन दे रहे हैं। एक शख्स ने पूछा, अब किसको किस करना चाहते हैं? दूसरे शख्स ने कमेंट में लिखा, अब आपके पास कोई भी लड़की नहीं जाएगी अब आप कुछ भी बोलें।

वायरल हुआ था ऐसा वीडियो

टिप-टिप बरसा पानी के लाइव परफॉरमेंस के क्लिप के वायरल होने के बाद गायक को आलोचनाओं का सामना करना पड़ा। फुटेज में उदित को एक महिला के गाल पर चूमते हुए दिखाया गया था, उसके बाद दूसरी महिला के होठों पर किस करते हुए, जिससे वह महिला हैरान रह गई। इस घटना ने ऑनलाइन बहस छेड़ दी, जिसमें कई लोगों ने उनके व्यवहार की आलोचना की। इस विवाद के सामने आने के बाद सिंगर ने अपने बचाव में कई बातें कही थीं और उसे भी लोग पचा नहीं पाए थे।

पहले दी थी सफाई

उदित ने अपना बचाव करते हुए कहा था, प्रशंसक बहुत पागल होते हैं, है न? हम ऐसे नहीं हैं, हम सभ्य लोग हैं। कुछ लोग इसे बढ़ावा देते हैं और इसके जरिए अपना प्यार दिखाते हैं। इस बात को बढ़ा-चढ़ाकर क्यों पेश किया जा रहा है? भीड़ में बहुत सारे लोग हैं और हमारे साथ बॉडीगार्ड भी मौजूद हैं, लेकिन प्रशंसकों को लगता है कि उन्हें मिलने का मौका मिल रहा है, इसलिए कोई हाथ मिलाने के लिए हाथ बढ़ाता है, कोई हाथ चूमता है... यह सब सिर्फ प्रशंसकों का क्रेज है। इस पर ज्यादा ध्यान नहीं देना चाहिए।

मानती थी पति, परेशान एक्टर ने उठाया था ये कदम

शाहिद कपूर अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर भी काफी सुर्खियों में रहे हैं। चाहे करीना कपूर के साथ अफेयर रहा हो या फिर मीरा राजपूत से शादी। शाहिद अब मीरा के साथ अपनी हैप्पी मैरिड लाइफ एंजॉय कर रहे हैं। कपल के दो बच्चे मीशा और जैन हैं। शाहिद ने बॉलीवुड में चॉकलेटी हीरो के तौर पर अपने करियर की शुरुआत की थी और अब एंग्री यंग मैन बनकर दर्शकों का दिल जीत रहे हैं। शाहिद की लाखों लड़कियां दीवानी हैं। लेकिन, क्या आप उस स्टारकिड के बारे में जानते हैं जो शाहिद के पीछे इतनी दीवानी थी कि उन्हें अपना पति बताती थी और उनका पीछा करती थी।

शाहिद कपूर के लिए पागल थी अक्खड़ सुपरस्टार की बेटी

शाहिद से एकतरफा प्यार करती थीं वास्तविकता

ये स्टारकिड हैं गुजरे जमाने के सुपरस्टार कुलभूषण पंडित उर्फ राज कुमार की बेटी वास्तविकता पंडित। राज कुमार की बेटी वास्तविकता शाहिद कपूर को बेहद पसंद करती थीं। दोनों की पहली मुलाकात कोरियोग्राफर श्यामक डाबर की डांस क्लास में हुई थी। वास्तविकता शाहिद को देखकर उनके लुक्स पर ऐसी फिदा हुईं की उन्हें उनमें अपना जीवनसाथी दिखने लगा। वह अभिनेता से एकतरफा प्यार करने लगीं और अभिनेता को लेकर उनकी ये दीवानगी धीरे-धीरे बढ़ने लगी।

शाहिद के घर के सामने किराए पर ले लिया घर

वास्तविकता इस कदर शाहिद के प्यार में डूब गईं कि उन्होंने खुद को शाहिद की पत्नी बताना शुरू कर दिया। यही नहीं, अपना घर छोड़कर वह एक्टर के घर के सामने किराए पर रहने लगीं। जब एक्टर बाहर निकलते तो वह उनका रास्ता रोक लेतीं। कहा जाता है कि शाहिद के लिए वास्विकता का प्यार जुनून में बदल गया। शुरुआत में तो शाहिद ने ये सब नजरअंदाज किया, लेकिन जब मामला हद से आगे बढ़ने लगा तो शाहिद इस कदर परेशान हो गए थे कि उन्होंने वास्तविकता के खिलाफ पुलिस में शिकायत तक दर्ज करा दी थी। जिसके बाद अभिनेत्री ने एक्टर का पीछा करना बंद कर दिया।

एक्टिंग की दुनिया में नहीं दिखा सकीं कमाल

बता दें, वास्तविकता पंडित भी अपने पिता की तरह फिल्मी दुनिया में नाम कमाना चाहती थीं। उन्होंने 1996 में रिलीज हुई ऐसी भी क्या जल्दी है से बॉलीवुड डेब्यू किया। इसके बाद वह कुछ और फिल्मों में नजर आईं, लेकिन अपनी एक्टिंग से दर्शकों को इंप्रेस करने में असफल रहीं। साल 2000 में लॉरेंस डिसूजा ने वास्तविकता को अपनी फिल्म दिल भी क्या चीज है के लिए सिलेक्ट किया था, जिसमें अर्जन बाजवा लीड रोल में थे, लेकिन फिर ऐन मौके पर लॉरेंस डिसूजा ने वास्तविकता को रिप्लेस कर दिया।

साड़ी में कहर बरपाती दिखीं हसीना यशिका आनंद

साउथ इंडस्ट्री की खूबसूरत अभिनेत्री यशिका आनंद अक्सर अपने हॉट और बोल्ड लुक्स से सोशल मीडिया पर सुर्खियां बटौरती रहती हैं। उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही बवाल मचाने लगता है। भले ही एक्ट्रेस इन दिनों किसी फिल्म में नजर नहीं आ रही हैं, लेकिन आए दिन अपनी खूबसूरत फोटोज शेयर फैंस को अपने हुस्न का कायल बनाती रहती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका किलर लुक देखकर फैंस एक बार फिर से अपने होश खो बैठे हैं।एक्ट्रेस यशिका आनंद हमेशा अपने बोल्ड और स्टनिंग लुक्स के कारण सोशल मीडिया पर लाइमलाइट बटौरती रहती हैं। वो जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो वो चंद ही मिनटों में वायरल होने लगती हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस यशिका आनंद ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका किलर अवतार देखकर फैंस एक बार फिर से बेकाबू हो गए हैं।बता दें कि एक्ट्रेस यशिका आनंद जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी हर एक तस्वीर और वीडियोज पर लाइक्स और कॉमेंट्स करते हुए नहीं थकते हैं।हालिया शेयर की गई फोटोज में आप देख सकते हैं उन्होंने लैवेंडर कलर की नेट लुक में साड़ी पहनी हुई है, जिसके सीक्वेन्स में उन्होंने स्लीवलेस ब्लाउज कैरी किया है।गले में नेकलेस, कानों में इयररिंग्स और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस यशिका आनंद ने अपने आउटलुक को बेहद ही शानदार तरीके से कंप्लीट किया है। उनका ये कातिलाना अवतार इंटरनेट पर तबाही मचा रहा है।

CMYK

महत्वपूर्ण खबर

रानू साहू,सौम्या चौरसिया और अन्य आरोपी जेल में मनाएंगे होली...

न्यायिक रिमांड 19 मार्च तक बढ़ी...

रायपुर,11 मार्च 2025 (ए)। छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित जिला खनिज निधि घोटाले मामले में आरोपी रानू साहू, सौम्या चौरसिया, सूर्यकांत तिवारी, माया वारियर और मनोज द्विवेदी को एसीबी-ईओडब्ल्यू की विशेष अदालत में पेश किया गया। अदालत ने मामले की सुनवाई करते हुए सभी आरोपियों की न्यायिक रिमांड 19 मार्च तक बढ़ा दी है। इसके चलते अब यह सभी आरोपी होली का त्योहार जेल में ही मनाएंगे। इस बीच, आरोपी सौम्या चौरसिया और रानू साहू ने अदालत में जमानत याचिका दायर की है। अदालत ने इस याचिका पर 17 मार्च को सुनवाई करने का निर्देश दिया है।

डीआरजी जवान ने किया सुसाइड, पेड़ में लटक रही थी लाश

टकरागुड़ा,11 मार्च 2025(ए)। जिले के टकरागुड़ा जंगल में एक आरक्षक का शव फंदे से लटकता मिला है। वह बड़ांजी थाना में पोस्टेड था। प्रारंभिक जांच के अनुसार आरक्षक के सुसाइड करने की आशंका जताई जा रही है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। मामला बड़ांजी थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, आरक्षक का नाम नवलेश कश्यप (25) है। वह पहले डीआरजी में था। वर्तमान में बड़ांजी थाना में आरक्षक के पद पर पोस्टेड था। जानकारी के मुताबिक किसी कारण से वह पिछले कुछ दिनों से डिप्रेशन में था। आरक्षक लोहंडीगुड़ा का रहने वाला था। मंगलवार की सुबह घर से कुछ ही किमी की दूरी पर जंगल में एक पेड़ में फंदे से लटकती इसकी लाश मिली है।

4 हत्याएं करने वाले आरोपी को मिली 4 बार आजीवन कारावास की सजा

जांजगीर-चांपा,11 मार्च 2025(ए)। जिले के देवरी गांव में दो साल पहले चरित्र संदेह के चलते अपनी पत्नी और तीन बेटियों की हत्या करने वाले शख्स देशराज कश्यप को कोर्ट ने अर्थदण्ड सहित 4 बार आजीवन कठोर कारावास की सजा सुनाई है। मामला बलौदा थाना अंतर्गत पंतोरा चौकी क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, ग्राम देवरी में देशराज कश्यप अपनी पत्नी मोंगरा बाई (40) और 3 बेटियां पूजा (16), भाग्य लक्ष्मी (10) और याचना (6) के साथ रहता था। 31 जुलाई 2023 की रात खाना खाने के बाद मां और तीनों बेटियां कमरे में सोने के लिए चली गईं। रात में ही आरोपी देशराज उठा और फावड़ा से सो रही पत्नी और तीनों बेटियों को मार डाला।

भूपेश समर्थकों ने किया ईडी पर हमला

» ईडी की कार्यवाही से गुस्साए भूपेश समर्थकों ने ईडी टीम की गाड़ियों में फेंके ईंट-पत्थर...

» सन्नी अग्रवाल समेत 35 पर एफआईआर...

रायपुर,11 मार्च 2025 (ए)। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल सहित 11 लोगों के यहां प्रवर्तन निदेशालय यानि ईडी ने सोमवार को एक साथ छापेमारी की। टीम घर से बाहर निकली तो उन पर हमला हुआ। ईडी की गाड़ी को रोकने की कोशिश की गई और उस पर पथराव भी हुई।

छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता भूपेश बघेल के घर पर प्रवर्तन निदेशालय ने सोमवार को छापेमारी की। इसके बाद जब छापेमारी के बाद ईडी की टीम घर से बाहर निकली तो उन पर हमला हुआ। ईडी की गाड़ी को रोकने की कोशिश की गई और उस पर पथराव भी हुई। इन तमाम आरोपों को लेकर दुर्ग पुलिस ने सन्नी अग्रवाल समेत करीब 35 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। यह एफआईआर पुरानी भिलाई थाने में दर्ज हुई है।

ईडी ने कथित शराब घोटाले के मामले में भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग जांच के तहत सोमवार को भिलाई के मानसरोवर कॉलोनी में बघेल के आवास और दुर्ग में 14 अन्य जगहो पर छापेमारी की थी। फिलहाल ईडी की टीम पर पत्थर फेंकने के मामले में सन्नी अग्रवाल समेत करीब 35 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। बताया जा रहा है कि इस मामले में गिरफ्तारी तक की कार्रवाई हो सकती है। ईडी के अधिकारियों ने बताया कि कार्रवाई के बाद टीम के लौटते समय कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उनके वाहन को रोकने की कोशिश की और इसी दौरान एक पत्थर भी आगे चल रहे वाहन की विंड शील्ड पर गिरा। ईडी के वाहन पर पत्थर फेंका- ईडी के अधिकारियों ने बताया कि कार्रवाई के बाद टीम के लौटते समय कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उनके वाहन को रोकने की कोशिश की और इसी दौरान एक पत्थर भी आगे चल रहे वाहन की विंड शील्ड पर गिरा।

दर्जनों के विरूद्ध एफआईआर दर्ज की गयी

पुलिस ने दंगा फैलाने [191(2)], गैरकानूनी तरीके से एकत्र होने (190), स्वेच्छा से सरकारी कर्मचारी के काम में बाधा डालने (221), सरकारी कर्मचारी पर हमला या आपराधिक बल का प्रयोग (132) और गलत तरीके से रोकने [126(2)] और भिलाई निवासी सनी अग्रवाल और 35 अन्य लोगों के खिलाफ सार्वजनिक संपत्ति विनाश कानून की धारा 3 के तहत मामला दर्ज किया है। जानकारी के मुताबिक, ईडी की टीम पर ईंट-पत्थरों से हमला किया गया है। टीम की गाड़ी के आगे और पीछे बड़े पत्थर फेंके जाने की बात सामने आई है। हालांकि, अभी तक घायलों की जानकारी नहीं मिली है।

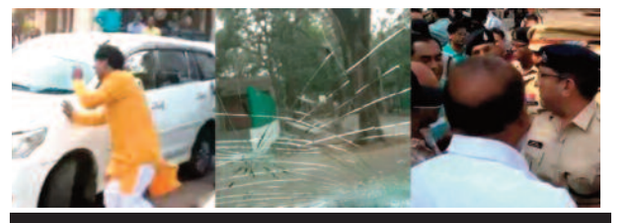

33 लाख ले गई ईडी की टीम:भूपेश

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने बताया कि ईडी की टीम उनके घर से 33 लाख रुपये नगद (जिसमें स्त्री धन शामिल) लेकर गई है। रकम का हिसाब वे बता देंगे। उनकी 150 एकड़ जमीन के दस्तावेज भी देखे गए हैं। एक पेन ड्राइव की भी जांच हुई। बघेल ने कहा कि कार्रवाई विधानसभा में उनके सवाल पूछने का परिणाम है। इससे पहले पूर्व मंत्री कवासी लखमा ने सवाल पूछा था तब उनके यहां भी छापा पड़ा था।

भूपेश बघेल आज जाएंगे दिल्ली

छत्तीसगढ़ के कथित शराब घोटाले में सोमवार को पूर्व सीएम भूपेश बघेल के भिलाई आवास पर रेड के बाद छत्तीसगढ़ में सियासी बवाल मचा हुआ है। खबर है कि पूर्व सीएम भूपेश बघेल बुधवार को दिल्ली दौरे पर रवाना होंगे।

ईडी छापे के बाद विधानसभा पहुंचे पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल,बोले...कल मुझे सदन में आने से रोका गया

ईडी की छापेमारी के बाद मंगलवार को पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल विधानसभा पहुंचे। इस दौरान उन्होंने कहा कि मुझे कल विधानसभा में आने से रोका गया। ईडी अधिकारी ने कहा था कि आप न जाएं तो अच्छा रहेगा। ईडी छापे पर उन्होंने कहा कि जब-जब मैं अन्य प्रदेशों में दौरा किया, तब-तब छापा पड़ा। असम, उत्तर प्रदेश, हिमाचल के बाद अब पंजाब दौरा है, तो छापा पड़ा है। केवल बदनाम करने उद्देश्य से छापे मारे हैं। अभी तक बताए नहीं कि किस मामले में ईडी वाले आए थे। सर्चिंग वारंट नहीं था, ईसीआईआर भी नहीं था।

कांग्रेस नेताओं का विरोध प्रदर्शन

छापेमारी के तुरंत बाद,भिलाई में भूपेश बघेल के घर के बाहर कांग्रेस के कई नेता और कार्यकर्ता इकट्ठे हो गए और दावा किया कि यह केंद्र की साजिश है। ईडी ने पहले कहा था कि छत्तीसगढ़ शराब 'घोटाले' के कारण राज्य के राजस्व को भारी नुकसान हुआ और इस अपराध से प्राप्त 2,100 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई शराब सिंडिकेट के लाभार्थियों की जेब में गई।

इतने रुपए तो बहू गिन देती

तलाशी के दौरान बड़ी संख्या में नकदी मिलने पर नोट गिनने की मशीन भूपेश बघेल के निवास पर मंगवानी पड़ी। इससे यह कयासबाजी शुरू हो गई कि बरामद रकम की मात्रा बहुत ज्यादा है। इस पर बघेल ने कहा, टीवी में देखा कि नोट गिनने के लिए मशीन लाए हैं। मैंने ईडी वालों से कहा, मेरी बहू शादी से पहले बैंक में थी। इतने रुपए तो वो ऐसे ही गिन देती।

महतारी वंदन योजना पर सदन में हंगामा

» चार हजार पात्र महतारियों को नहीं मिला एक पैसा, विपक्ष का वॉकआउट

रायपुर,11 मार्च 2025 (ए)। छत्तीसगढ़ विधानसभा बजट सत्र में सदन में महतारी वंदन योजना का मुद्दा गर्माया। विधायक विक्रम मंडावी ने सवाल पूछते हुए जानकारी मांगी वहीं इस दौरान मुद्दे को लेकर पक्ष और विपक्ष के बीच नोक- झोंक देखने को मिली। जिसके बाद जवाब से असंतुष्ट विपक्ष ने नारेबाजी की। साथ ही सदन से विपक्ष ने वॉकआउट किया।

विधायक विक्रम मंडावी ने कहा- योजना शुरू होने के बाद ऐसे कितने पात्र हितग्राही है, जिन्हें एक भी किश्त नहीं मिली। जिसके जवाब में मंत्री राजवाड़े ने कहा- 3 हजार 971 लोगों को एक भी किश्त नहीं मिली है। बैंक खाते सीडिंग नहीं होने, असक्रिय खातों की वजह से भुगतान नहीं हो पाया है। जिसके बाद विपक्ष के विधायकों ने कहा-तीन हज़ार से अधिक लोगों की राशि कहां जा रही है। वहीं मंत्री राजवाड़े ने कहा- तकनीकी खामियों को दूर कर भुगतान किया जाएगा।विपक्ष ने किया वॉकआउट उमेश पटेल ने कहा- एक साल तक एक भी किश्त नहीं दी गई। क्या सभी 3 हजार 971 लोगों को पिछले एक साल की किश्त एक साथ दी जाएगी। जिसके बाद आसंदी से रमन सिंह ने कहा- पुराना पैसा नहीं मिलता है। वहीं जवाब से असंतुष्ट होकर विपक्ष ने नारेबाजी करते हुए सदन से वॉकआउट किया। कांग्रेस विधायक उठाया पेंशन का मुद्दा कांग्रेस विधायक कुंवर सिंह निषाद ने पेंशन का मुद्दा उठाते हुए कहा- पेंशन योजना किन- किन योजनाओं के तहत प्रदान की जा रही है। जवाब में मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा- 6 योजनाओं के तहत पेंशन की राशि दी जा रही है। वहीं कुंवर सिंह निषाद ने कहा -मेरे विधानसभा में 80 फीसदी जो दिव्यांग है उनको पेंशन नहीं मिल रही है। जिस पर मंत्री राजवाड़े ने कहा- जो शासन द्वारा सूचीबद्ध है, उन्हें योजना का लाभ मिल रहा है।

सदन में गूंजा जर्जर सड़क का मुद्दा

छत्तीसगढ़ विधानसभा के बजट सत्र के 11 वें दिन की कार्यवाही शुरू हो गई है। आज सदन में प्रश्नोत्तर काल के बाद आदिम जाति विकास मंत्री राम विचार नेताम और पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री विजय शर्मा के विभागों से जुड़े मामलों पर ध्यान आकर्षण प्रस्ताव लाया जाएगा। प्रधानमंत्री सड़क के जर्जर होने का भी मुद्दा उठाया जाएगा। वहीं आज के सत्र में वित्तीय वर्ष 2025-26 की अनुदान मांगों पर चर्चा होगी। इसमें उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन, महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े, राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा और लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के विभागों से संबंधित मामलों पर चर्चा होगी। गिरौधपुरी धाम के विकास के लिए स्वीकृत राशि में अनियमितता का मामला उठाया जाएगा।

छत्तीसगढ़ की अनोखी होली

यहां यज्ञ की राख से खेली जाती है होली

गरियाबंद,11 मार्च 2025 (ए)। छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले में अनोखी होली खेली जाती है। यहां शोभायात्रा के साथ विश्व शांति महिमा सम्मेलन का आज शुभारंभ हुआ, जहां भक्तों के शरीर पर गौ माता चली। यज्ञ के समपान पर यहां यज्ञ की राख से होली खेली जाएगी. 2008 से कांड सर गौ शाला संचालक बाबा उदय नाथ विश्व शांति वार्षिक महिमा मेला का आयोजन करते आ रहे हैं। होली के ठीक 4 दिन पहले गौ माता के भव्य शोभायात्रा से इसकी शुरुआत होती है। स्वागत में भी गौ पद लेने की अनूठी रिवाज इस आयोजन को खास बना देता है। शोभायात्रा में निकले गौ माता 3 किमी दूरी से बिछाए गए सफेद कालीन में चलकर आए। इसी कालीन में श्रद्धालु गौ माता के पग के आगे साष्टांग लेट कर गौ पग बाधा बने, ताकि गौ माता उनके शरीर पर चल सके। इसे गौ पद लेना या गौ पग बाधा बनना कहते हैं। मान्यता है कि ऐसा करने से शारीरिक कष्ट दूर होते हैं। साथ ही सारे क्लेश बाधा टल जाते हैं। आज प्रदेश के कोने कोने से आए लोग गौ पद लेकर आयोजन का हिस्सा बने। शोभायात्रा के साथ विश्व शांति वार्षिक महिमा सम्मेलन का शुभारंभ हुआ। यज्ञ समापन पर राख से तिलक लगाकर होली खेला जाएगा।

पुरानी नगर निगम की बिल्डिंग में लगी भीषण आग

दमकल की त्वरित कार्रवाई से बचा बड़ा नुकसान.

रायपुर,11 मार्च 2025(ए)। शहर के मालवीय रोड स्थित पुरानी नगर निगम बिल्डिंग में अचानक लगी भीषण आग से इलाके में अफरातफरी का माहौल हो गया। यह घटना गोलबाजार थाना क्षेत्र में हुई, जिससे बाजार में मौजूद दुकानदार और स्थानीय लोगों में दहशत फैल गई। आग लगने का सही कारण अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाया है, लेकिन प्रारंभिक जांच में यह आशंका जताई जा रही है कि ज़मीन पर फेंके गए कचरे में आग लगी हो, जो तेज हवा और गर्मी के कारण तेजी से फैल गई।आग लगते ही स्थानीय लोगों ने फायर ब्रिगेड को सूचित किया, जिसके बाद दमकल की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। दमकलकर्मियों ने कड़ी मशक्कत करके आग पर काबू पाया। पुरानी नगर निगम बिल्डिंग के चारों ओर कई दुकानें होने के कारण आग के और फैलने की आशंका थी, लेकिन दमकल विभाग की त्वरित कार्रवाई से बड़ा नुकसान टल गया। इस घटना में अभी तक किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

प्रश्न हल करवाते पकड़े गए पर्यवेक्षक

राज्य स्तरीय उनदस्ता टीम को परीक्षा में मिली ढीली-ढाली व्यवस्था

रायपुर,11 मार्च 2025(ए)। प्रदेश भर में इन दिनों माध्यमिक शिक्षा मंडल की 10 वीं-12 वीं बोर्ड की परीक्षाएं चल रही हैं। इन परीक्षाओं में अव्यवस्था का आलम यह है कि कड़ी निगरानी में परीक्षा होने का दावा करने वाली माध्यमिक शिक्षा मंडल की टीम को ही नकल के मामले मिल रहे हैं। माशिमं सचिव पुष्पा साहू के नेतृत्व वाले राज्य स्तरीय उड़नदस्ता टीम ने सोमवार को राजधानी रायपुर शहर के परीक्षा केंद्रों का सघन निरीक्षण किया। इस दौरान कक्षा 10वीं के विज्ञान विषय के पेपर के दौरान स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय, अमलेश्वर में भूतल पर बैठक व्यवस्था पर्याप्त होने के बावजूद प्रथम तल में बैठक व्यवस्था रखी गई थी। इस पर आपत्ति दर्ज करते हुए बैठक व्यवस्था में तत्काल आगामी परीक्षाओं के लिए सुधार करने का आदेश दिया गया।

उधर पंडित गिरीजाशंकर मिश्रा उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के निरीक्षण दौरान अनेक खामियां पाई गई। 02 कक्ष में पर्यवेक्षकों को प्रश्नों के उत्तर बताते हुए पकड़ा गया। वही 02 पर्यवेक्षक एक ही परीक्षा कक्ष में थे और दोनो ड्यूटी के दौरान कुर्सी पर बैठे मिले। इस पर आपत्ति दर्ज की गई।

व्यापम द्वारा आयोजित परीक्षाओं के लिए प्रोफाइल पंजीकरण की प्रक्रिया अनिवार्य

रायपुर,11 मार्च 2025(ए)। छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल (व्यापम) द्वारा आयोजित विभिन्न प्रवेश, पात्रता और भर्ती परीक्षाओं के लिए अभ्यर्थियों के प्रोफाइल पंजीकरण की प्रक्रिया अनिवार्य कर दी गई है। व्यापम की नई वेबसाइट को 27 फरवरी 2025 से शुरू किया गया है। जिन अभ्यर्थियों ने पहले से प्रोफाइल पंजीकरण किया हुआ है, उन्हें अपने प्रोफाइल को अद्यतन करना अनिवार्य होगा। अभ्यर्थियों की सुविधा की दृष्टि से प्रोफाइल पंजीकरण की व्यवस्था लागू की गई है, जिससे अभ्यर्थी को अपनी व्यक्तिगत जानकारी बार-बार नहीं भरनी होगी। प्रोफाइल पंजीकरण सिर्फ एक बार करना होगा और इसी प्रोफाइल पर अभ्यर्थी लॉगिन करके ऑनलाइन आवेदन कर करते हैं।

प्रोफाइल अद्यतन करने के लिए अभ्यर्थियों को अपने पूर्व के प्रोफाइल लॉगिन एवं पासवर्ड के माध्यम से अपडेशन ऑनलाइन करना अनिवार्य होगा, जिसमें अभ्यर्थी अपने पुराने फोटो के स्थान पर नवीनतम पासपोर्ट साइज का फोटो एवं हस्ताक्षर (50 से 100 केबी जेपीजी) अपलोड कर अपना प्रोफाइल पासवर्ड बदलना होगा। अभ्यर्थी को अपना वैध ई-मेल एडेऊस दर्ज करना होगा। यदि कोई अभ्यर्थी दिव्यांग है, तो नये वेबसाइट में उल्लेखित दिव्यांगता के प्रकार का चयन करके अपना प्रोफाइल अपडेट करते हुए जिला मेडिकल बोर्ड या सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी दिव्यांगता प्रमाण पत्र का क्रमांक एवं जारी होने का दिनांक भी प्रविष्ट करना अनिवार्य होगा। इसके अतिरिक्त यदि अभ्यर्थी अपने प्रोफाइल की व्यक्तिगत जानकारी में कोई सुधार करना चाहते हैं, तो नये वेबसाइट में अपने प्रोफाइल लॉगिन में जाकर अनिवार्य रूप से सुधार कर सकते हैं। जिन अभ्यर्थियों ने व्यापम के वेबसाइट में पूर्व में अपना प्रोफाइल पंजीकरण नहीं किया है, वे व्यापम के नये बेवसाइट पर प्रोफाइल पंजीकरण कर सकते हैं। व्यापम की परीक्षाओं में ऑनलाइन आवेदन के लिए प्रोफाइल पंजीकरण अनिवार्य है।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)